उड़ान

शिक्षा की

भाग 3

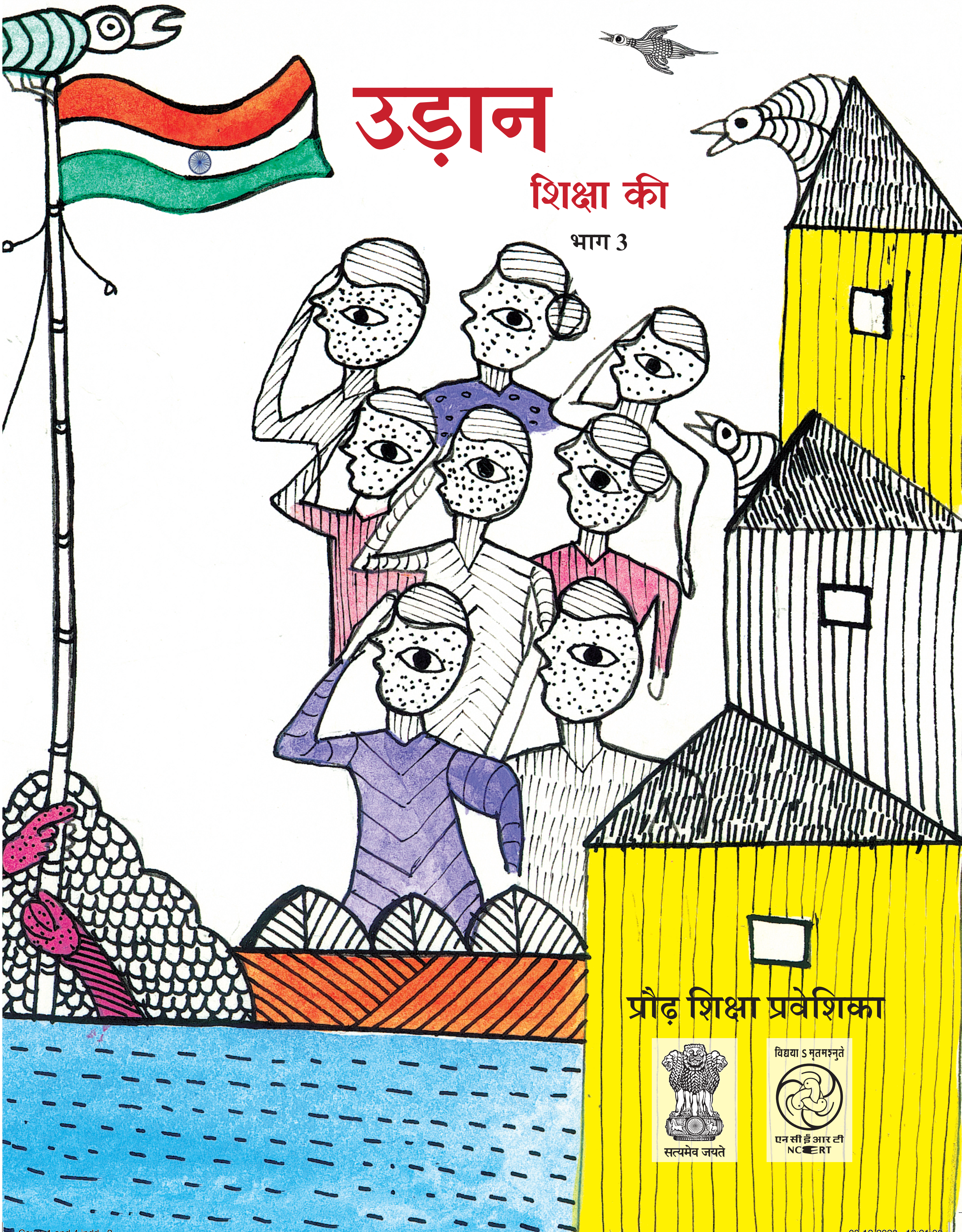

प्रौढ़ शिक्षा प्रवेशिका

सत्यमेव जयते

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

Cover 1 and 4.indd 2 08-12-2020 12:21:00

उड़ान
शिक्षा की

भाग 3

प्रौढ़ शिक्षा प्रवेशिका

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Prelims_Vol_3.indd 1 08-12-2020 11:56:30

प्रथम संस्करण
दिसंबर 2020 अग्रहायण 1942

PD

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2020

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पिनहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *अनूप कुमार राजपूत*
मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी : *अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी) : *विपिन दिवान*

ले-आउट एवं डिज़ाइन

श्वेता राव
बैनियान ट्री

डिजिटल प्रिंट

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।

आमुख

प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य उन व्यक्तियों को पढ़ने-लिखने के अवसर उपलब्ध कराना है जिनकी उम्र 15 साल या उससे अधिक है। इस अभियान में वे सभी बच्चे, युवा, वयस्क, प्रौढ़ शामिल हैं जो किन्हीं कारणों से या तो स्कूल नहीं जा सके या फिर किन्हीं कारणों से उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा। इस आयु-वर्ग के व्यक्ति अपने जीवन के अलग-अलग संदर्भों में अपनी भाषा या भाषाओं का इस्तेमाल भी करते हैं और गणितीय समझ के साथ अपने-अपने कामों में बखूबी लेन-देन भी करते हैं। यह संभव है कि ये सभी अपने-अपने जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में उचित तरीके से व्यवहार और कार्य करते हों, सही तरह से निर्णय लेते हों और समाज में एक उपयोगी सदस्य की भूमिका निभाते हों।

भारतीय राष्ट्रीय साक्षरता अभियान में, 'साक्षरता' को एक व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा गया। जिसमें 'साक्षरता' मात्र अक्षर-ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 'अर्थ' के साथ जोड़ते हुए इसके आयामों को विस्तार दिया गया है।

'बुनियादी साक्षरता प्राप्त करना, शिक्षा प्राप्त करना और जीविकोपार्जन का अवसर प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। साक्षरता और बुनियादी शिक्षा, किसी के वैयक्तिक, नागरिक, आर्थिक और जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसरों की एक नवीन दुनिया खोल देती है। यह नवीन दुनिया व्यक्ति को निजी और व्यावसायिक, दोनों ही स्तरों पर आगे बढ़ाने में मदद करती है।' राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय के पढ़ना-लिखना अभियान के अंतर्गत वयस्क शिक्षार्थियों के लिए चार प्रवेशिकाओं का निर्माण किया गया है। ये प्रवेशिकाएँ समेकित रूप में बनाई गई हैं, जिसमें भाषा और गणित, दोनों शामिल हैं। विषय सामग्री के रूप में 13 विषय (थीम) तय किए गए हैं जो आमतौर पर हमारे आस-पास दिखाई देते हैं। ये विषय हैं— परिवार ओर पड़ोस, बातचीत, पर्यावरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, कानूनी साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, आपदा प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता आदि। भाषा के अंतर्गत इन्हीं विषयों से जुड़ी सार्थक, समग्र और रोचक सामग्री को लेते हुए, हिंदी भाषा और अंकगणित को पढ़ने-लिखने के अवसर जुटाए गए हैं। वयस्क शिक्षार्थियों के पढ़ने-लिखने और अंकगणित सीखने में मदद के लिए एक निर्देशिका का भी निर्माण किया गया है। यह निर्देशिका शिक्षकों/सुगमकर्ताओं द्वारा उपयोग में लाई जाएगी जो शिक्षार्थियों के सीखने में मदद करेगी। इस निर्देशिका में साक्षरता का व्यापक परिप्रेक्ष्य, भाषा व गणित सीखने के उद्देश्य, संप्राप्ति, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया और आकलन पर विस्तृत चर्चा की गई है। प्रवेशिकाओं और निर्देशिका में दिए गए बिंदु सुझाव के तौर पर हैं। शिक्षार्थियों की स्थानीय अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इनमें आवश्यकतानुसार बदलाव किया जा सकता है।

इस साक्षरता में 'आजीवन शिक्षा' का भाव भी कहीं न कहीं समाहित है। अतः इन प्रवेशिकाओं के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि वयस्क शिक्षार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्री का निर्माण किया जाए।

Prelims_Vol_3.indd 3 08-12-2020 11:56:30

परिषद्, प्रवेशिकाओं और निर्देशिका के निर्माण में शामिल सभी विषय-विशेषज्ञों और परिषद् के संकाय सदस्यों, परियोजना-स्टाफ़ के अथक परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। साथ ही उन सभी रचनाकारों, संस्थाओं के प्रति भी कृतज्ञ है जिन्होंने अपनी सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम इन प्रवेशिकाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत हैं।

श्रीधर श्रीवास्तव

निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली

दिसंबर, 2020

Prelims_Vol_3.indd 4 08-12-2020 11:56:30

पुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष

श्रीधर श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *संयुक्त निदेशक,* एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

परामर्श

अनूप कुमार राजपूत, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
रंजना अरोड़ा, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* अध्यापक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
संध्या सिंह, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

समीक्षा समिति

अंजुम सीबिया, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
अशोक कुमार श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (शोध), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गौरी श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर,* सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
दिनेश कुमार सिंह, *प्रोफ़ेसर,* विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
श्वेता उप्पल, *मुख्य संपादक,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सरोज यादव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (भूतपूर्व) (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

हिंदी भाषा

वर्षा सिंघल, *टीचर फ़ैलो,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सोनिका कौशिक, *वरिष्ठ परामर्शदाता,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

गणित

उज़्मा, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गुंजन खुराना, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
धर्मप्रकाश, *प्रोफ़ेसर* (भूतपूर्व), प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
नम्रता निगम, *जे.पी.एफ़,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
राबिया मलिक, *टीचर फ़ैलो* एवं *परामर्शदाता*, प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सदस्य समन्वयक

उषा शर्मा, *प्रोफ़ेसर,* प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

Prelims_Vol_3.indd 6 08-12-2020 11:56:31

आभार

परिषद्, विपिन जैन, *संयुक्त सचिव*, प्रौढ़ शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस सामग्री के विकास में अपना सहयोग प्रदान किया।

परिषद्, उन सभी रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गई हैं। रचनाओं के प्रकाशन के लिए अनुमति देने के लिए *सचिव*, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, नयी दिल्ली *(दानी पेड़, सौ साल का सिनेमा)*; रमेश थानवी, *अध्यक्ष*, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति, जयपुर, राजस्थान *(घड़ियों की हड़ताल)*; सुशील शुक्ल, *निदेशक*, एकतारा, भोपाल *(दीवाली के दीये)*, सुभाष व्याम और दुर्गा बाई, *लोक चित्रकार*, भोपाल (ददरिया लोकगीत); केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक और केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, उत्तर प्रदेश *(कैसे आएगी नानी)* का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए परिषद् मंजुला माथुर, प्रोफ़ेसर, (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी., माधवी कुमार, *रीडर* (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी.; मालविका राय, *शिक्षाविद्*; शारदा कुमारी, *प्राचार्य*, डाइट, आर.के.पुरम; संजीव कुमार, *पूर्व प्राचार्य*, डाइट, नयी दिल्ली; शहजाद हुसैन, *पूर्व निदेशक*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली; मोहम्मद अलीम, *लेखक*, नयी दिल्ली; अपर्णा टिक्कू, *प्रोग्राम एसोसिएट*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली, सही राम, *लेखक*, नयी दिल्ली; रेनु चौहान, (सेवानिवृत्त) *एक्सटेंशन ऑफ़िसर*, नयी दिल्ली; रवीन्द्र पाल, (सेवानिवृत्त) *वरिष्ठ व्याख्याता*, डाइट, नयी दिल्ली; अक्षय कुमार दीक्षित, *शिक्षक*, सर्वोदय विद्यालय, नयी दिल्ली; सत्यवीर सिंह, *प्राचार्य*, एस.एन.आई. कॉलेज, बागपत, उत्तर प्रदेश; अनिल कुमार, *प्राचार्य*, डाइट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली; संदीप दिवाकर, *संसाधन व्यक्ति*, अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन; पंकज तिवारी, *शिक्षक*, सरकारी विद्यालय (उर्दू), सियोनी, मध्य प्रदेश के प्रति आभार व्यक्त करती है।

इसके साथ ही पुस्तक में चित्रांकन के लिए परिषद् शशि शेट्ये, नयी दिल्ली; सुनीता, *लोक चित्रकार* (मांडना शैली), सवाईमाधोपुर, राजस्थान; सुभाष व्याम, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; दुर्गाबाई, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; मानसिंह, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; प्रशांत सोनी, उदयपुर, राजस्थान; सागर अरणकल्ले, नोएडा, उत्तर प्रदेश; शुभम, चंदेरी, मध्य प्रदेश; हबीब अली, ग्वालियर, मध्य प्रदेश; जितेंद्र चौरसिया, देवास मध्य प्रदेश, हरिओम पाटीदार, धार, मध्य प्रदेश, नीलेश गहलोत, धार, मध्य प्रदेश, तपोशी घोषाल, नयी दिल्ली; रुचिन सोनी, नयी दिल्ली का विशेष आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, नसीम अहमद, *मुख्य परामर्शदाता* (भूतपूर्व), राष्ट्रीय साक्षरता अभियान, शिक्षा मंत्रालय और आपगा, रोटरी इंडिया लिटेरसी मिशन, दिल्ली को उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, भारत निर्वाचन आयोग, राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, राज्य संसाधन केंद्र, इंदौर के प्रति भी आभार प्रकट करती है जिनकी वेबसाइट से प्रवेशिका के निर्माण के लिए उपयोगी सामग्री और चित्र प्राप्त हुए।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए संजू शर्मा, मोहम्मद आतिर, हरि दर्शन लोधी, अजय कुमार प्रजापति, गंर्धव, गिरीश गोयल, नितिन तंवर और आमिर अली, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) के आभारी हैं। परिषद्, प्रकाशन प्रभाग के संपादन स्कंध के सदस्यों, मीनाक्षी, *सहायक संपादक* (संविदा); कहकशा, *सहायक संपादक* (संविदा); दिनेश वशिष्ट, *सहायक संपादक* (संविदा); अंजु शर्मा, *संपादकीय सहायक* (संविदा) की आभारी है जिन्होंने प्रवेशिकाओं को अंतिम रूप देने में विशेष योगदान दिया है। परिषद्, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. की सपना, प्रेरणा और पाठ्यचर्या अध्ययन समूह के तेजकिशन और पवन के प्रति आभारी है जिनके सहयोग से इस कार्य को पूरा करने में मदद मिली।

प्रकाशन प्रभाग से मिले पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

Prelims_Vol_3.indd 8 08-12-2020 11:56:31

विषय-सूची

आमुख *iii*

8. आपदा प्रबंधन **2–17**

हिंदी भाषा

- जब धरती काँपी
- भोपाल गैस त्रासदी

गणित

- धारिता की मापन करना (मिलीलीटर, लीटर)
- गुणा और भाग से जुड़ी दैनिक जीवन की समस्याएँ हल करना

9. समय-समय की बात **18–33**

हिंदी भाषा

- घड़ियों की हड़ताल
- वक्त

गणित

- दो अंकीय संख्याओं का गुणन
- समय की माप (घंटा, मिनट, सेकंड)

10. यात्रा **34–49**

हिंदी भाषा

- यात्रा
- ओमना की डायरी

गणित

- समय की माप का उपयोग करना (12 और 24 घंटे वाली घड़ी)
- कैलेंडर, समय-सारणी और रेल टिकट पर दी गई सूचनाओं की समझ बनाना

Prelims_Vol_3.indd 9 08-12-2020 11:56:31

सशक्त बालिका सशक्त नारी
तभी उन्नत होगी मानवता हमारी

मेरी किताब

मेरा नाम – ________________________

मेरा पता – ________________________

____

मेरा फ़ोन नंबर – ________________________

बातचीत के लिए

आपदा का आम बोलचाल की भाषा में मतलब भारी मुसीबत है। ऐसी मुसीबत जो अचानक ही आ जाए। दिए गए चित्र में किन तरह की मुसीबत या आपदा दिखाई गई है? क्या आपने कभी ऐसी आपदा का सामना किया है?

Chap_8.indd 2 08-12-2020 12:34:09

For Conversation

This theme focuses on disasters. These disasters could be natural or result out of carelessness. Look at the pictures and observe the nature of disasters. Have you ever witnessed a disasters of any kind?

8 आपदा प्रबंधन

आप सीखेंगे

- धारिता की मापन करना (मिलीलीटर, लीटर)
- गुणा और भाग से जुड़ी दैनिक जीवन की समस्याएँ हल करना

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

आग

बाढ़

भूकंप

तूफ़ान

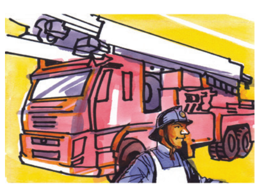
दमकल

एम्बुलेंस

अस्पताल

पुलिस थाना

राहत शिविर

शिक्षक-निर्देश—शिक्षार्थियों से बारी-बारी से सभी चित्रों की पहचान करवाएँ। चित्रों के नीचे उससे संबंधित शब्द दिए गए है। चित्र के आधार पर शब्दों को अनुमान लगाकर पढ़वाएँ। चित्र के नीचे लिखे शब्दों को उँगली रखकर पढ़ें। शिक्षार्थियों से चित्र के नीचे दिए गए शब्दों को पढ़ने के लिए कहें।

For the Facilitator: Ask the learners to identify the pictures given above. Ask the learners to predict the word based on the given picture. Then, put your finger under each word and bring their attention to the word.

Chap_8.indd 4 08-12-2020 12:34:13

मिलकर पढ़िए

जब धरती काँपी

मैं गुजरात के कच्छ इलाके में रहने वाली जस्मा हूँ। बात तब की है जब मैं ग्यारह साल की थी।

उस दिन गाँव के बच्चे, बड़े, सब स्कूल के आँगन में टी.वी. पर 26 जनवरी की परेड देख रहे थे। अचानक ज़मीन तेज़ी से हिलने लगी। सभी लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। किसी को भी पता नहीं था कि क्या करना चाहिए।

कुछ ही पल में हमारा पूरा गाँव मलबे का ढेर बन गया। हमारा सारा सामान — कपड़े, बर्तन, खाना — सब कुछ मलबे में दब गया। उस समय सभी लोगों का ध्यान दो ही कामों पर था — मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालना और घायलों की मरहम-पट्टी करना। गाँव के अस्पताल को भी नुकसान पहुँचा था। डॉक्टर बाबू ने गाँववालों की मदद से ही घायलों का इलाज किया। बहुत सारे लोगों को तो गहरी चोटें भी लगीं। मेरी टाँग भी टूट गई। गाँव के छह लोग दबकर मर गए।

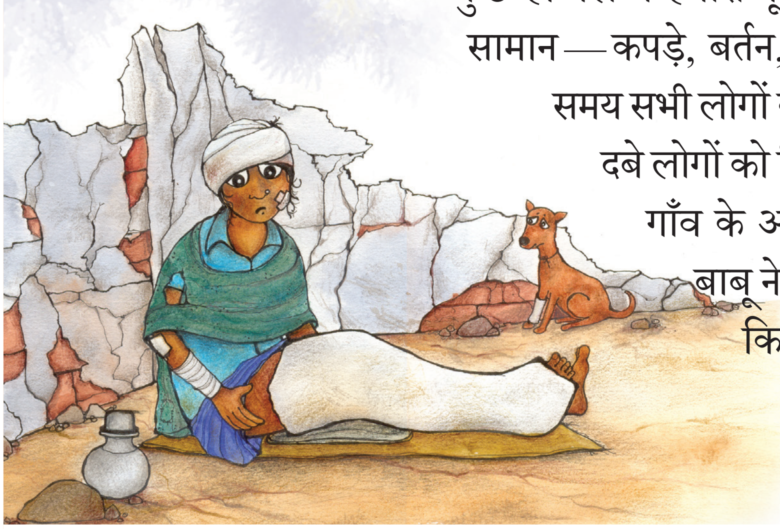

Chap_8.indd 5 08-12-2020 12:34:14

हमारे गाँव के सरपंच, मोटा बापू के घर को ज़्यादा नुकसान नहीं पहुँचा था। उन्होंने अपने गोदाम से सभी को अनाज दिया। कई दिन तक गाँव की औरतें मिलकर मोटा बापू के घर पर ही सभी गाँववालों के लिए खाना पकाती रहीं। इतनी ठंड के दिन और वह भी बिना घर के बिताना। रात के समय ठंड और डर, दोनों के मारे नींद ही नहीं आती थी। हर समय यही डर लगा रहता था कि कहीं फिर भूकंप आ गया तो?

कई दिन तक हमारा हाल देखने दूर शहर से लोग आते रहे, जैसे कोई तमाशा लगा हो। ये लोग हमें खाने-पीने की चीज़ें, कपड़े और दवाइयाँ भी देते थे। हम में से कुछ को यह सामान मिलता, तो कुछ को नहीं। खूब छीना-झपटी होती थी, इन चीज़ों के लिए। कपड़े मिलते, पर कितने अजीब से। ऐसे कपड़े हमने पहले कभी नहीं पहने थे।

शहर की संस्था से आए लोगों ने सभी के रहने के लिए गुज़ारे लायक तंबू लगाए। सोचो, जनवरी–फ़रवरी का महीना, कड़कती ठंड और छत के नाम पर प्लास्टिक का तंबू।

Chap_8.indd 6 08-12-2020 12:34:15

उन लोगों में कुछ वैज्ञानिक भी थे, जो अपने खास तरीकों से पता करते थे कि किस इलाके में भूकंप आने का कितना खतरा है। गाँववालों की उनके साथ कई बार बातचीत हुई। उन लोगों के पास घर बनाने के लिए कुछ सुझाव थे। इन लोगों में कुछ इंजीनियर और कुछ आर्किटेक्ट भी थे। जिन्होंने हमें घरों के खास डिज़ाइन दिखाए। उन्होंने बताया कि खास तरह के डिज़ाइन से भूकंप आने पर कम-से-कम नुकसान होगा। गाँव वालों को डर था कि कहीं ऐसा करने से गाँव, अपने गाँव जैसा ही न लगे। आखिर में यही फ़ैसला हुआ कि हम अपना घर अपने-आप मिलकर बनाएँगे, संस्था के सुझाए डिज़ाइन के अनुसार। यह भी निश्चित हुआ कि गाँव का स्कूल वे लोग बनाएँगे।

सबने मिलकर पूरा गाँव फिर से खड़ा किया। गाँव के कुछ लोग सूखे तालाब को खोदकर चिकनी मिट्टी लाए। मिट्टी में फिर गोबर मिलाकर बड़े-बड़े उपले बनाए और उन्हें एक-दूसरे पर रखकर दीवारें खड़ी कीं। चूने से दीवारों की पुताई की। घास-फूस की छत बनाई। फिर आईने के टुकड़ों से घर को सजाया। हमारे घर की दीवारों पर माँ और मैंने चित्रकारी की। अब रात में हमारा घर हीरे-सा चमकता है।

(*स्त्रोत — आस-पास*, एन.सी.ई.आर.टी.)

> **शिक्षक-निर्देश** — इस पाठ के समय शिक्षार्थियों को भुज में आए भूकंप के बारे में बताया जाना अच्छा होगा। भूकंप से होने वाले प्रभावों पर चर्चा करें। शिक्षार्थियों से पूछे की उन्होंने कभी भूकंप का सामना किया है? क्या-क्या दिक्कते आईं? जान-माल का कितना नुकसान हुआ?
>
> **For the Facilitator** — It will be good to teach the students about the earthquake in Bhuj at the time of this lesson. Discuss the effects of earthquake. Ask the learners if they have ever faced an earthquake? What were the problem they faced? How much life and property was lost?

Chap_8.indd 7 08-12-2020 12:34:16

■ सोचिए और बताइए

प्रश्न 1. ऐसे समय पर जब लोगों के घर ही नहीं रहे, तब लागों को किस तरह की मदद/राहत की ज़रूरत पड़ी होगी?

प्रश्न 2. ऐसे में किन-किन की मदद की ज़रूरत पड़ती होगी और किस काम के लिए?

प्रश्न 3. सोचो, अगर तुम्हारे यहाँ भूकंप आ जाए, तो क्या तुम्हारे घर को भी खतरा होगा? तुम कहाँ रहोगे?

प्रश्न 4. ऐसे समय में तुम अपने पालतू जानवरों की सुरक्षा तथा देखभाल के लिए क्या करोगे?

प्रश्न 5. क्या तुम्हारे इलाके में कभी लोगों ने भुखमरी, सूखा जैसी मुसीबतों का सामना किया है? ऐसे समय में खाने-पीने की भारी कमी हो जाती है। तब आप और बाकी लोग क्या करते हैं?

■ भूकंप आने पर क्या-क्या करें

1. अगर आप घर के अंदर हों तो

- ज़मीन पर झुक जाएँ। किसी मज़बूत मेज़ के नीचे बैठ जाएँ।
- मेज़ न हो तो अपने चेहरे और सिर को बाजुओं से ढक लें।
- शीशे, खिड़कियों, दरवाज़ों से दूर रहें।

2. अगर आप घर के बाहर हों तो

- बिल्डिंग, पेड़ों, स्ट्रीट लाइट, बिजली या टेलीफ़ोन की तारों से दूर रहें।

3. अगर किसी चलते वाहन में हों तो

- जितनी जल्दी हो सके सुरक्षा के साथ गाड़ी रोकें तथा गाड़ी में रुके रहें।

4. अगर मलबे के नीचे फँसे हों तो

- माचिस की तीली न जलाएँ।
- अपने मुँह को कपड़े से ढकें।
- किसी पाइप या दीवार को थपथपाएँ ताकि बचाने वाले आपको ढूँढ सकें।

Chap_8.indd 8 08-12-2020 12:34:16

भूकंप के समय किसी मज़बूत चीज़ के नीचे छिप जाने को क्यों कहा गया है?

आपदा संपर्क सूचना

किसी मुसीबत के समय आपको नीचे दिए गए किसी से मदद की ज़रूरत पड़ सकती है। अपने इलाके में मौजूद पुलिस थाने, दमकल केंद्र या नज़दीकी अस्पताल के फ़ोन नंबर पता करें। नीचे दी गई जगह में इस जानकारी को लिखिए।

पता		फ़ोन नंबर
दमकल केंद्र		
नज़दीकी अस्पताल		
एम्बुलेंस		
पुलिस थाना		

Chap_8.indd 9 08-12-2020 12:34:16

बताइए और निशान लगाइए

आपने कभी किसी आपदा का सामना किया या उसके बारे में सुना या देखा। उससे संबंधित शब्द पर निशान (✓) लगाएँ—

बाढ़

भूस्खलन

भूकंप

तूफ़ान

सूखा

भुखमरी

रेल दुर्घटना

जंगल में आग

भगदड़

चित्र देखिए और बातचीत कीजिए

प्रश्न 1. यहाँ किन आपदाओं का चित्रण किया गया है?

प्रश्न 2. अपने इलाके में आने क्या इनमें से किसी आपदा को भोगा है? उसके बारे में बात कीजिए/बताइए।

प्रश्न 3. आपदाएँ और उससे जुड़ी संस्थाओं और उनके काम के बारे में बात कीजिए। शिक्षार्थियों ने किन आपदाओं को भोगा है उस पर उनसे एक पोस्टर बनवाएँ। वे उन अनुभवों का चित्रण करें जिसे उन्होंने भोगा है।

प्रश्न 4. क्या आपको लगता है कि इन आपदाओं में से कुछ आपदाओं के लिए मनुष्य सीधे रूप से ज़िम्मेदार है? ऐसी किसी एक आपदा के उदाहरण से शिक्षार्थियों से बातचीत कीजिए। बातचीत में निकले बिंदुओं को लिखिए।

■ मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश—'आपदा प्रबंधन' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थी से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे—भूकंप के लिए भू डोल आदि।

For the Facilitator—Conclude the theme Aapda Prabandhan with a discussion. Write 3–4 words related to this theme by asking the learner. These words can be from their own language also. For example—Bhu dol for Bhukamp etc.

Chap_8.indd 11 08-12-2020 12:34:19

संकट का समय

1.			
जानवरों के बहते शरीर	पेड़ों पर फँसे लोग	दस्त	डूबे घर
हवाई जहाज़ से खाने का पैकेट गिराना			

2.		
सूखे नदी-तालाब	अनाज की कमी	बंजर ज़मीन
गाँव से पलायन		मरियल जानवर

- **ऊपर दिए शब्दों के गुच्छे किस संकट की और इशारा करते हैं? उनके नाम लिखिए।**

1. ______________________
2. ______________________

- **आपने शायद कभी ऐसे किसी संकट को अनुभव किया हो। अपने अनुभव को लिखिए।**

____

____

____

____

____

____

____

____

Chap_8.indd 12 08-12-2020 12:34:20

जस्मा के गाँव में भूकंप आया तो गैर-सरकारी संस्थाओं और सरकार ने गाँव को इस आपदा से निपटने के लिए प्रयास किए। बेघर हुए लोगों के लिए तंबू लगाए गए। खाने, पानी व कपड़ों का इंतज़ाम किया गया। घायल हुए लोगों को चिकित्सा की सहायता दी गई।

- **अगर एक तंबू में कुल 6 लोग रह सकते थे तो 300 लोगों के लिए कुल कितने तंबू लगाने पड़े होंगे?**
- **अगर एक एम्बुलेंस से 3 घायलों को ले जाया जा सकता था तो 50 घायलों के लिए कितनी एम्बुलेंस की ज़रूरत पड़ी होगी?**

लोगों को खाना, पानी की बोतलें तथा दूध के पैकेट भी बाँटे गए। पानी की बोतले विभिन्न आकारों में थी, कुछ छोटी, कुछ बड़ी, कुछ उनसे बड़ी। सब बोतलों पर, उनमें कितना पानी आता है, लिखा था। मिलीलीटर (मि.ली.) और लीटर (ली.) आयतन/धारिता मापने की इकाई है। किसी बर्तन की धारिता यह बताती है कि उस बर्तन में कितना तरल पदार्थ आ सकता है। छोटे बर्तनों की धारिता मिलीलीटर में मापी जाती है और बड़े बर्तनों की धारिता लीटर द्वारा दिखाई जाती है। 1 लीटर में 1000 मिलीलीटर होते हैं।

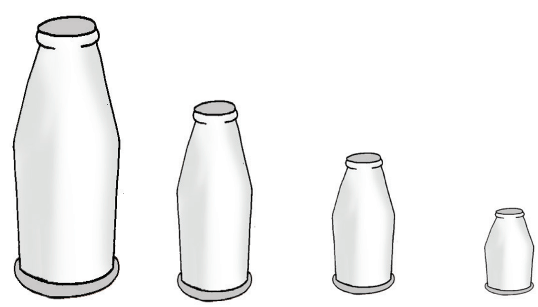

(1 लीटर = 1000 मि.ली.)

- **दो ली. की एक बोतल में 200 मि.ली. की कितनी बोतलें भरी जा सकती हैं?**

शिक्षक-निर्देश—शिक्षार्थियों को अलग-अलग माप के बर्तनों/बोतलों की धारिताओं में संबंध खोजने हेतु प्रेरित करें। चर्चा करें कि छोटी धारिता व बड़ी धारिता वाले बर्तन कहाँ देखें हैं?

For the Facilitator—Encourage the learners to establish the relation between capacities of different containers. Discuss about the containers of different capacities they have seen around them.

Chap_8.indd 13 08-12-2020 12:34:20

- गज्जू के परिवार में 4 लोग हैं। राहत कैंप में चारों को अलग-अलग 250 मि.ली. दूध वाली थैलियाँ दी गईं, उन्होंने एक बर्तन में उन थैलियों का दूध खाली कर दिया। अब उस बर्तन में कितना दूध होगा?

- राहत कैंप में एक बड़े डिब्बे में जितना दूध आया था, उसे 8 परिवारों को बराबर-बराबर बाँट दिया गया। यदि प्रत्येक परिवार को 500 मि.ली. दूध दिया गया हो तो बड़े डिब्बे में कितना दूध रहा होगा?

- कैंप में बीमार व्यक्ति को डाक्टर ने 180 मि.ली. दवाई की शीशी दी और प्रतिदिन 20 मि.ली. दवाई पीने की सलाह दी। उस मरीज को वह दवाई कितने दिनों तक पीनी होगी?

- बाढ़ के दौरान बीमारियाँ फैलाने से रोकने के लिए टीकाकरण के लिए टीम भेजी गई। टीम 1 लीटर दवाई लेकर गई। टीकाकरण में एक व्यक्ति को 5 मि.ली. दवाई लगती है। 1 लीटर दवाई से कितने लोगों का टीकाकरण किया जा सकता है?

Chap_8.indd 14 08-12-2020 12:34:22

खेती की दवा दुकान

खेती में काम आने वाली दवाई 100 रुपये में 100 मि.ली. मिलती है। नीचे बनी तालिका में भरिए कि किसको कितनी मात्रा में दवाई मिलेगी—

किसान का नाम	दी गई राशि	मिलने वाली दवा की मात्रा
सुशील	3000	
संगीता	1000	
वाहिद	500	
चेतना	200	
चंदू	700	
रवि	100	

- 10 ली. की पानी की बोतल से कितनी 500 मि.ली. की बोतलें भरी जा सकती हैं?
- अगर एक व्यक्ति के पानी का दैनिक खर्च 5 ली. है तो 300 लोगों का पानी का खर्च कितना होगा?
- यदि प्रत्येक व्यक्ति को 2 ली. पीने के पानी की आवश्यकता है तो 300 व्यक्तियों के लिए 10 ली. वाली कितनी बोतलें मँगवानी पड़ेंगी?
- राहत कैंप में दूध की आपूर्ति हेतु 2 ली. वाली थैलियाँ मँगवाई। एक व्यक्ति को 250 मि.ली. दूध दिया जाए तो 300 व्यक्तियों के लिए कितनी दूध की थैलियों की आवश्यकता होगी?

शिक्षक-निर्देश—शिक्षार्थियों को ऐसे ही रोज़मर्रा के उदाहरण देकर चर्चा एवं अभ्यास कराइए।

For the Facilitator—Provide opportunities to the learners to discuss and practice the same by using examples of their daily life contexts.

Chap_8.indd 15 08-12-2020 12:34:23

भोपाल गैस त्रासदी

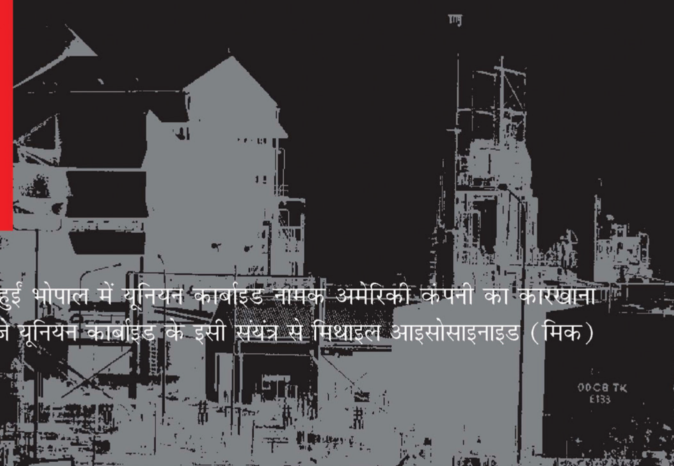

24 साल पहले भोपाल में दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक त्रासदी हुई भोपाल में यूनियन कार्बाइड नामक अमेरिकी कंपनी का कारखाना था जिसमें कीटनाशक बनाए जाते थे। 2 दिसंबर 1984 को रात के 2 बजे यूनियन कार्बाइड के इसी संयत्र से मिथाइल आइसोसाइनाइड (मिक) गैस रिसने लगी। यह बेहद ज़हरीली गैस होती है...।

इस दुर्घटना की चपेट में आने वाली अज़ीज़ा सुल्तान : "तकरीबन 12.30 बजे मुझे अपने बच्चे की तेज़ खाँसी की आवाज सुनाई दी। कमरे में हल्की सी रोशनी थी। मैंने देखा कि पूरा कमरा सफ़ेद धुँए से भरा हुआ था। मुझे लोगों की चीखने की आवाज़ें सुनाई दीं। सब कह रहे थे, 'भागो, भागो'। इसके बाद मुझे भी खाँसी आने लगी। लगता था जैसे मैं आग में साँस ले रही हूँ। आँखें बुरी तरह जलने लगीं।

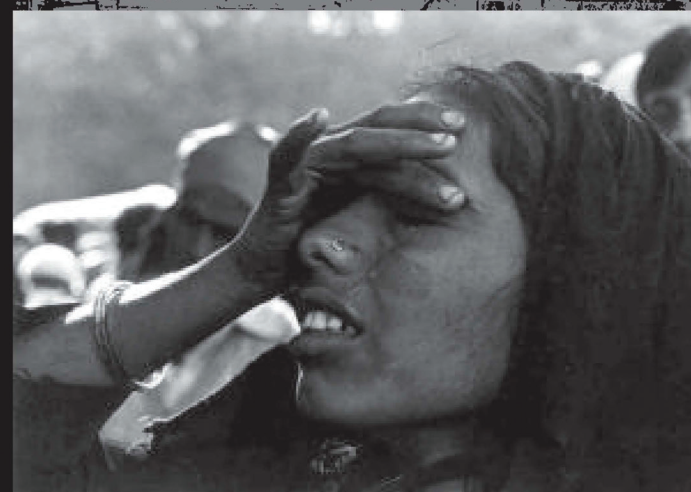

अगली सुबह

तीन दिन के भीतर 8,000 से ज़्यादा लोग मौत के मुँह में चले गए। लाखों लोग गँभीर रूप से प्रभावित हुए।

सामूहिक अंतिम संस्कार

ज़हरीली गैस के संपर्क में आने वाले ज़्यादातर लोग गरीब कामकाजी परिवारों के लोग थे। उनमें से लगभग 50,000 लोग आज भी इतने बीमार हैं कि कुछ काम नहीं कर सकते। जो लोग इस गैस के असर में आने के बावजूद जिंदा रह गए उनमें से बहुत सारे लोग गंभीर श्वास विकारों, आँख की बीमारियों और अन्य समस्याओं से पीड़ित हैं। बच्चों में अजीबो-गरीब विकृतियाँ पैदा हो रही हैं। इस चित्र में दिखाई दे रही लड़की इस बात का उदाहरण है।

गैस से बुरी तरह प्रभावित एक बच्चा

यह तबाही कोई दुर्घटना नहीं थी। यूनियन कार्बाइड ने पैसा बचाने के लिए सुरक्षा उपायों को जानबूझकर नज़रअंदाज़ किया था। 2 दिसंबर को त्रासदी से बहुत पहले भी कारखाने में गैस का रिसाव हो चुका था। इन घटनाओं में एक मज़दूर की मौत हुई थी जबकि बहुत सारे घायल हुए थे।

यूनियन कार्बाइड कर्मचारी यूनियन के सदस्यों का आंदोलन

गैस राहत मंत्री से बात करते गैस पीड़ित।

सबूतों से पूरी तरह साफ था कि इस महाविनाश के लिए यूनियन कार्बाइड ही दोषी है, लेकिन कंपनी ने अपनी गलती मानने से इनकार कर दिया।

इसके बाद शुरू हुई कानूनी लड़ाई में पीड़ितों की ओर से सरकार ने यूनियन कार्बाइड के खिलाफ दीवानी मुकदमा दायर कर दिया। 1985 में सरकार ने 3 अरब डॉलर का मुआवजा माँगा था, लेकिन 1989 में केवल 47 करोड़ डॉलर के मुआवज़े पर अपनी सहमति दे दी। इस त्रासदी से जीवित बच निकलने वाले लोगों ने इस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील की, मगर सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस फैसले में कोई बदलाव नहीं किया।

यूनियन कार्बाइड ने कारखाना तो बंद कर दिया, लेकिन भारी मात्रा में विषैले रसायन वहीं छोड़ दिए। ये रसायन रिस-रिस कर ज़मीन में जा रहे हैं जिससे वहाँ का पानी दूषित हो रहा है। अब यह संयंत्र डाओ कैमिकल नामक कंपनी के कब्ज़े में है जो इसकी साफ़-सफ़ाई का जिम्मा उठाने को तैयार नहीं है।

यूनियन कार्बाइड संयंत्र के इर्द-गिर्द बिखरे पड़े रसायनों के बोरे

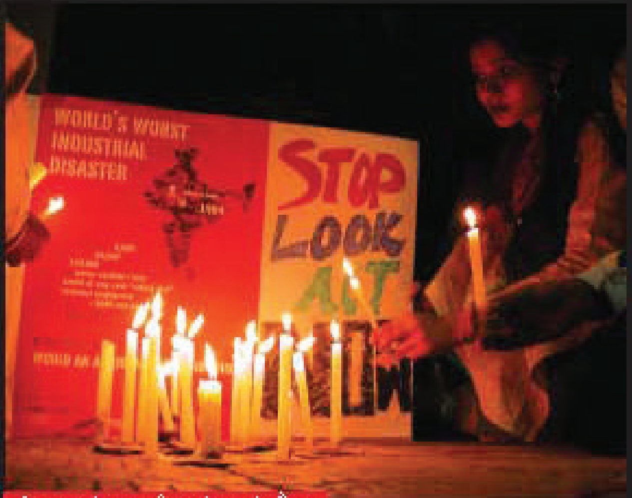

इंसाफ की लड़ाई अभी जारी है...।

24 साल बाद भी लोग न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वे पीने के साफ पानी, स्वास्थ्य सुविधाओं और यूनियन कार्बाइड के जहर से ग्रस्त लोगों के लिए नौकरियों की माँग कर रहे हैं। उन्होंने यूनियन कार्बाइड के चेयरमैन एंडरसन को सज़ा दिलाने के लिए भी आंदोलन चलाया है।

(स्त्रोत— सामाजिक और राजनैतिक जीवन, एन.सी.ई.आर.टी.)

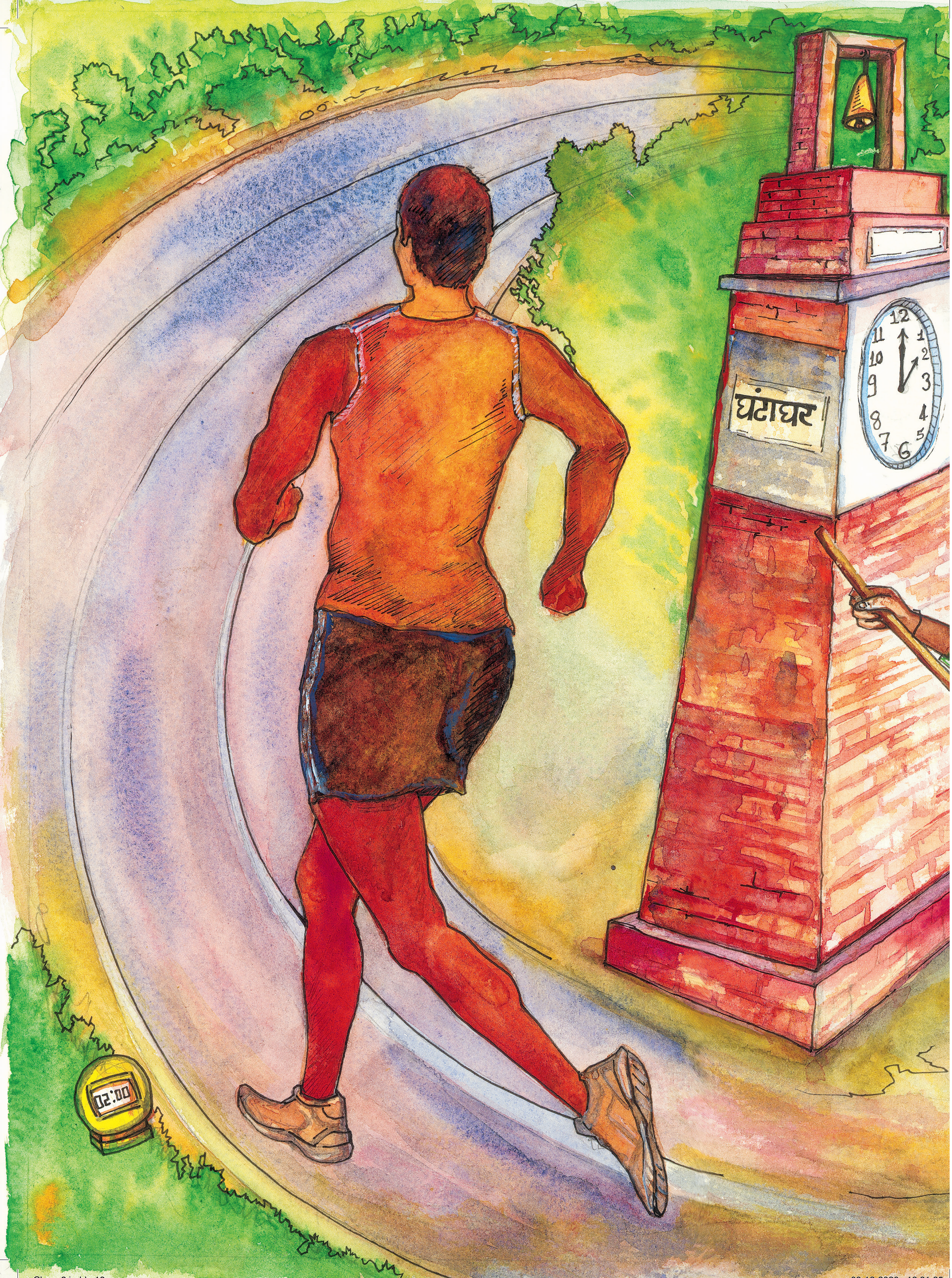
घंटाघर
02:00

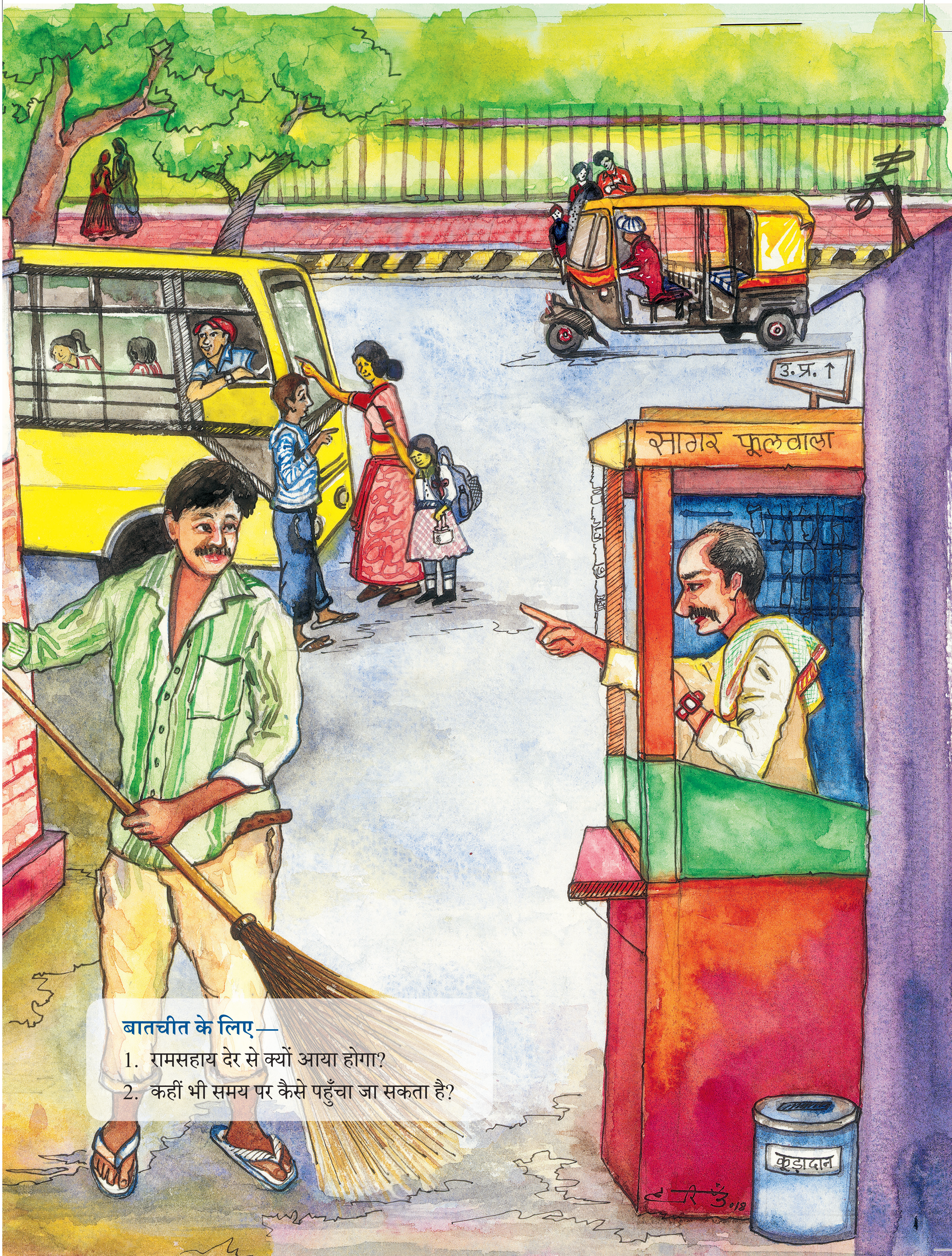

बातचीत के लिए—

1. रामसहाय देर से क्यों आया होगा?
2. कहीं भी समय पर कैसे पहुँचा जा सकता है?

9 समय-समय की बात

आप सीखेंगे

- दो अंकीय संख्याओं का गुणन
- समय की माप (घंटा, मिनट, सेकंड)

मिलकर पढ़िए और बातचीत कीजिए

घड़ियों की हड़ताल

शहर में हड़ताल का मौसम था। रेलवालों ने रेलें चलानी बंद कर दी थीं। हज़ारों मुसाफ़िर प्लेटफ़ार्म पर अटके पड़े थे। हर दूसरे पल वे एक-दूसरे से पूछते थे— "हड़ताल खुली क्या?" एक हड़ताल खुलने का नाम नहीं लेती थी कि उससे पहले ही दूसरी हड़ताल का नोटिस आ जाता था।

रेलों के बाद सफ़ाई कर्मचारियों का नंबर था। सारे सफ़ाईवाले हड़ताल पर थे। हर गली-कूचे में कूड़े के ढेर लगे थे। चारों तरफ़ सड़ाँध फैली थी। मक्खियों की मौज थी। नालों और गटरों के रुक जाने से मच्छरों को मौका मिल गया था। बीमारियाँ भी शहर पर धावा बोल चुकी थीं। अस्पताल में मरीज़ों की लाइनें लंबी होने लगी थीं।

हड़ताल का मौसम पूरे जोश-खरोश से आ पहुँचा था, इसलिए शहर की सारी घड़ियों ने भी आपस में राय मिलाई। सबका मत था कि उनको समय के साथ चलना चाहिए। राय मिल जाने के बाद देर कैसे हो सकती थी। सारे शहर की घड़ियाँ हड़ताल पर चली गईं। समय जहाँ था, वहीं ठहर गया।

जो मिनिस्टर लोग मिटिंगों में बैठे थे, वहीं बैठे रह गए। एक-दूसरे से समय पूछने लगे तो सबने पाया कि घड़ियाँ रुकी पड़ी है, तुरंत दरबान बुलाए गए। सही समय की तलाश में दौड़ाए गए। 'सही समय' लेकिन सबके हाथ से निकल गया था। दरबान भी निराश होकर लौटे। सबने आकर खबर दी कि सबकी घड़ियाँ ठहरी खड़ी हैं।

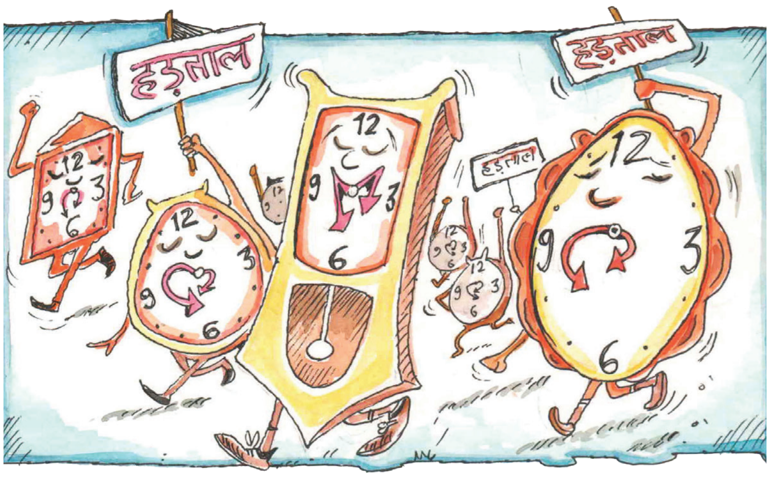

शहर की घड़ियाँ ठहर खड़ी थीं। कर्मचारियों की किस्मत रुकी पड़ी थी। मगर गली-कूचों में बच्चों की किलकारियाँ छूट पड़ी थीं। सभी बच्चे खुश थे। सबके चेहरे चमक रहे थे। सब अपनी खुशी बाँट रहे थे। मोटू कह रहा था— "यार! अपनी तो किस्मत चमक गई। आज दोपहर तक सोते रहे, किसी ने कान नहीं उमेठा। किसी को हमें जगाने की नहीं सूझी। सोने की ऐसी मौज मिल जाए तो फिर क्या!" मोटू अपने सोये रहने की बात बड़ी शेखी से सुना रहा था, मगर

Chap_9.indd 21 08-12-2020 12:31:38

मन की मन घड़ियों को दाद दे रहा था। सोच रहा था, घड़ियाँ ऐसे ही रुकी रहे और अपनी नींद सलामत रहे।

सभी दफ़्तरों, कारखानों, छोटी फैक्ट्रियों आदि का समय चूँकी ठहर गया था, इसलिए कर्मचारियों पर किसी तरह की पाबंदी नहीं रही थी। मजदूरों के कार्ड पंच करने वाली टाइम-मशीनें बंद पड़ी थीं। हज़ारों मजदूरों के कार्ड हाथ से भरने के लिए हाज़िरी बाबू भी टाइम पर नहीं पहुँच पाते थे। मिल-मालिक परेशान थे। इस बार कुछ ऐसे फंसे थे कि यह भी नहीं कह सकते थे— 'बड़ा खराब टाइम आ गया है।' और न लंबी सांस लेकर कह सकते थे— 'समय बड़ा बलवान!' जब समय ही गायब था, तो दोष किसे देते!

— रमेश थानवी

(स्त्रोत— घड़ियों की हड़ताल)

■ हमारी बातों में समय कब, कहाँ, कैसे आता है पढ़िए।

समय का फेर

अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत

समय खराब चल रहा है

समय समय की बात है

बीता समय वापिस नहीं आता

काल करे सो आज करे

इस तरह के कुछ और वाक्या बताइए जिसमें समय का ज़िक्र हो।

Chap_9.indd 22 08-12-2020 12:31:39

वक्त

हम सबमें, हम सबका वक्त रहता है। मैंने सोचा चलो, आज एक दोस्त से मिलके आता हूँ। इस समय को खर्च करने के मेरे पास कई विकल्प थे। मैं चाहता तो उस समय सो सकता था। यूँ ही बैठ सकता था। चाय पीने गुमटी जा सकता था। घर पर रहकर साफ़-सफ़ाई कर सकता था। एक व्यक्ति के पास एक समय को इस्तेमाल कर सकने के कई विकल्प होने चाहिए और उनमें से किसी को भी चुन लेने की आज़ादी भी।

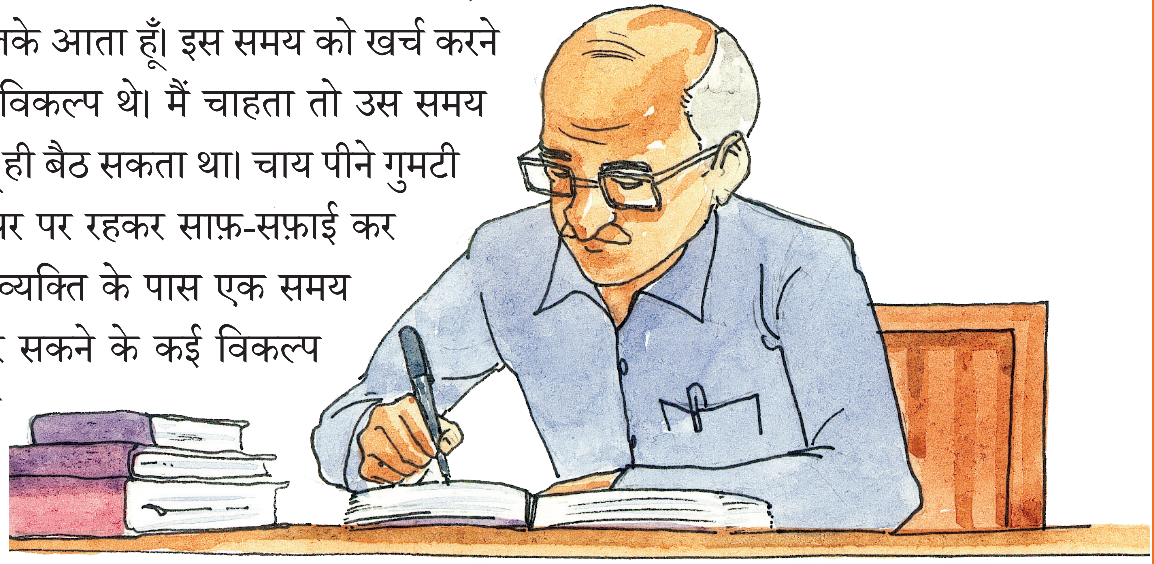

अगर पूरी दुनिया में हरेक के लिए यह संभव हो जाए तो ये दुनिया कितनी सुदंर हो जाएगी... हरेक मतलब हरेक। मतलब चीटी भी। मतलब तितली भी। चिड़िया भी। लेकिन यह कितना मार्मिक है कि किसी के पास अपना एक दिन गुज़ारने के विकल्प बहुत ही कम हैं। अपना मनपसंद काम करने की बात तो दूर की कौड़ी है। उसे शायद वो काम करना होगा जो उसे पसंद नहीं है। जब एक मालिक आदमी एक नौकर आदमी से कहता है कि ठीक से काम करो तो कितना बुरा लगता है। किसी के वक्त को कैसे इस्तेमाल करना है इसका फैसला कोई और करता है। हम यहाँ तक कैसे पहुँच गए? दुनिया ऐसी क्यों और कैसे हो गई?

वक्त भी कैसे बदला। एक मालिक आदमी मज़दूर से कहता है— "जब तक तुम ये सड़क पर गिट्टियाँ डाल दो, मैं एक ज़रूरी काम निपटाता हूँ।" घड़ी के हिसाब से दोनों एक घंटे काम करते हैं। एक मज़दूर धूप में एक घंटे पत्थर तोड़ता है। एक घण्टे एक आदमी ठंडी हवा में कुछेक काम निपटाता है। पर दोनों का वक्त कितना अलग है। घड़ी की ज़रूरत सबसे पहले किसे पड़ी होगी? ज़्यादातर घड़ियाँ दूसरों के वक्त पर नज़र रखने के काम आती हैं। वक्त बलवान होता है, यह कितनी प्यारी कहावत है। इसमें एक बलवान इंसान वक्त के पीछे जा छिपा है। कभी-कभी अपनी कलाई घड़ी खोलकर मेज पर रख देता हूँ। खाली हाथ देखना अच्छा लगता है। घड़ी जैसे मेरे हाथ के गले में पड़ा एक पट्टा लगती है। कैसी अजीब बात है कि यह पट्टा मैंने खुद अपने

Chap_9.indd 23 08-12-2020 12:31:39

लिए खरीदा था। जब मैं दुखी था तब यह ज़रा भी तेज़ नहीं हुई ताकि वो वक्त जल्द बीत जाए और न जब कभी बहुत खुश था तो यह धीमी हुई कि वह सुख थोड़ी देर बना रहे। यह मालिक की ही तरह रही। बेपरवाह।

आपके दिन का एक घंटा कैसा होता है?

दिन का एक घंटा

- दिन का वो घंटा जब आप काम करते हुए भी सोच सकते हैं/सपने देख सकते हैं।
- जब आप चाहें तो गुनगुना सकते हैं।
- वह समय जब आप अकेले होते हैं।
- आपका सोने का समय नहीं है फिर भी सो सकते हैं।
- जब आप अपना मनचाहा काम कर सकते हैं।
- जब आप टी.वी. देख सकते हैं।

पढ़िए और बताइए

प्रश्न 1. दिन का कोई एक घंटा चुनिए और सोचिए कि आपके परिवार का या साथ रहने वाले लोगों का वो एक घंटा किस तरह से समान और किस तरह से भिन्न है?

प्रश्न 2. आप के दिन का कौन-सा समय कामों से बंधा हुआ है?

प्रश्न 3. एक ऐसा दिन जब आप अपनी मर्ज़ी से अपने मन मुताबिक समय बिता सकते हैं, उसमें क्या करेंगे?

प्रश्न 4. ऐसा क्या है जो आप करना चाहती हैं पर वक़्त न होने की वजह से नहीं कर पाती?

प्रश्न 5. दिन का कौन-सा समय सबसे सु:खद/अच्छा लगता है और क्यों?

प्रश्न 6. मालिक और नौकर का समय अलग-अलग विकल्प देता है?

प्रश्न 7. महिलाओं और पुरुषों के समय में क्या फ़र्क है? क्या दोनों अपने समय को लेकर समान रूप से आज़ाद हैं?

Chap_9.indd 24 08-12-2020 12:31:39

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश — 'समय-समय की बात' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे — समय के लिए बखत आदि।

For the Facilitator — Conclude the theme Samay-Samay ki Baat with a discussion. Write 3–4 words related to this theme by asking the learners. These words can be from their own language also. For example — Bakhat for Samay etc.

Chap_9.indd 25 08-12-2020 12:31:39

पढ़िए

आज नकद कल उधार

ए.टी.एम. मशीन खराब है।

मशीन में पैसा नहीं है।

ऐनक ही ऐनक

शुभ-लाभ

शिकायत पेटी

जूते यहाँ उतारें।

कतार में खड़े हों।

दान पेटी

जन सुविधाएँ

कुत्तों से सावधान रहें।

यह आम रास्ता नहीं है।

Chap_9.indd 26 08-12-2020 12:31:40

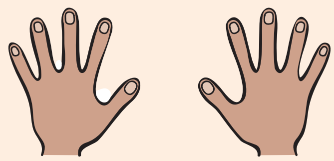

दो हाथों में कुल उँगलियाँ $2 \times 5 = 10$

■ 12 हाथों में कितनी उँगलियाँ?

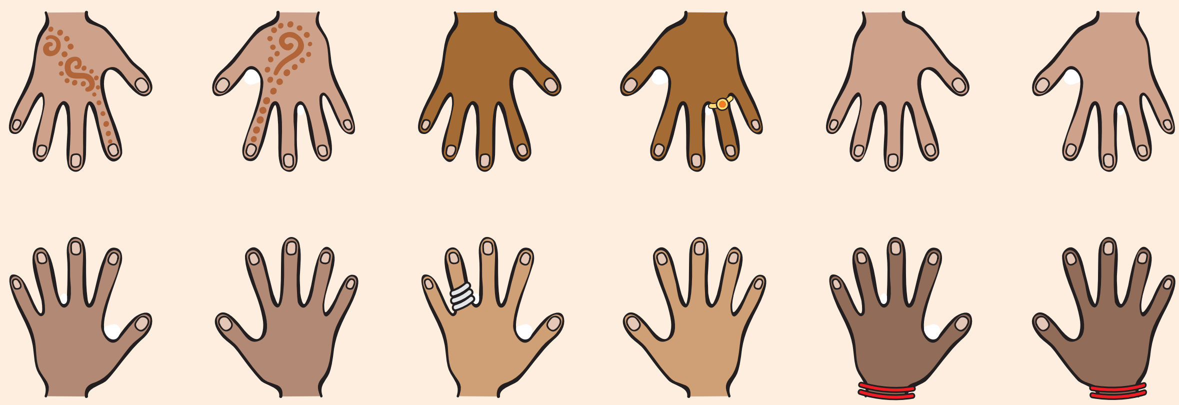

12 × 5 या 12 बार 5 यानि

$$\begin{array}{r} 12 \\ \times \quad 5 \\ \hline \end{array}$$

60 मिनट पूरे होने पर एक घंटे का समय होता है। 3 घंटों में कितने मिनट होगें?

3 × 60 या

$$\begin{array}{r} 60 \\ \times \quad 3 \\ \hline \end{array}$$

घड़ी में 2 बजे है।

घड़ी में 5 बजे है।

Chap_9.indd 27 08-12-2020 12:31:40

एक ट्रैक्टर चालक से बाज़ार में व्यापारी ने बात की, कि उसे सामान की कुछ बोरियाँ दुकान तक भेजनी है, वह कितना किराया लेगा?

1 बोरी के 12 रुपये और बात तय हो गई।

व्यापारी को 4 बोरी भेजनी थी तो किराया हुआ 50 रुपये। अरे पर हिसाब में कुछ गड़बड़ हो गई। आप ही बताइए कि 4 बोरियों का किराया कितने रुपये होगा?

यदि व्यापारी को 10 बोरियाँ भेजनी होती तो किराया होता 12 × 10 या

```
  1 2
×1 0
_____
```

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से दो अंकीय संख्याओं के गुणन पर जीवन में आने वाली परिस्थितियों के उदाहरण लेकर चर्चा कीजिए।

For the Facilitator—Discuss various contexts of multiplication two digits numbers learners encounter in their daily life.

इसी दर से किराए के लिए नीचे बनी तालिका भरिए

बोरियों की संख्या	किराया प्रति बोरी	कुल किराया (₹ में)
7	12	
13		
20		
12		
17		

कुछ और स्थितियाँ

- एक खेत की बुआई करने में 3 घंटे लगते हैं। क्या हम इसे मिनटों में बता सकते है? कैसे?
- 50 रुपये के 10 नोट और ______ रु के 1 नोट का मूल्य बराबर होता है।
- परिवार के सदस्य किसी शादी में जा रहे हैं। एक सवारी का किराया 45 रुपये लगता है यदि 5 सदस्य जा रहे थे तो कितना किराया लग गया होगा? इसका हिसाब कैसे निकालते हैं?

Chap_9.indd 28 08-12-2020 12:31:40

सुबह 6 बजे से किसान घास काटना शुरू करके उसे छोटे-छोटे गट्ठे बनाता। जब 5 छोटे गट्ठे बन जाते तो उन पाँचों को बाँधकर बड़ा गट्ठा बना लेता था, 7 बजे 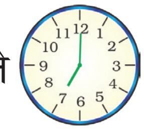 तक घास काटकर, 15 मिनट बाद घर पहुँच जाता था। सुबह 6 बजे से लेकर 7 बजे तक उसने घास के 4 बड़े गट्ठे बनाा लिए थे।

- उसने कितने छोटे गट्ठे घास काट लिया है? ____ इसे ____ × ____ भी लिख सकते हैं।
- वह घर कितने बजे वापस पहुँचा था? ____ सुबह

  इस समय को घड़ी में दर्शाते हैं
- किसान ने घास काटना कितने बजे शुरू किया था? ____ बजे सुबह
- किसान ने घास कितने बजे तक काटा? ____ बजे सुबह
- घास काटने में किसान को कितना समय लगा? ____ घंटा = ____ मिनट
- घास काटने और वापस घर पहुँचने में कुल लगा समय है 1 घंटा + 15 मिनट = ____ मिनट

> **शिक्षक-निर्देश** — दैनिक जीवन के कामों में लगने वाले समय के कई उदाहरणों को लेकर चर्चा कीजिए।
>
> **For the Facilitator** — With the help of examples discuss the time taken by various events of daily life.

■ आइए, घड़ी से समय देखना सीखें

सामान्यत: घड़ी के डायल पर 12 अंक होते हैं। हर दो अंकों के बीच 4 छोटी-छोटी लाइनें होती हैं।

Chap_9.indd 29 08-12-2020 12:31:40

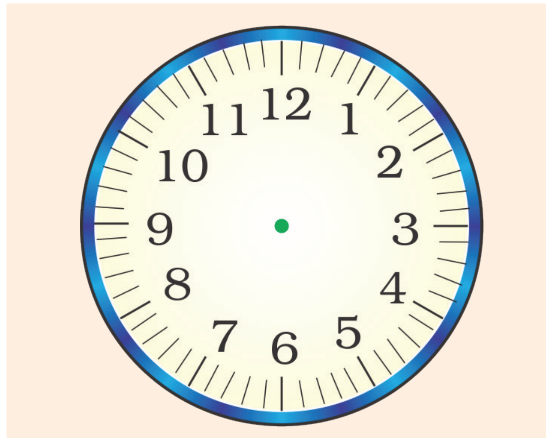

पूरे डायल पर कुल कितनी लाइनें होती हैं? गिनकर बताइए। ______________ लाइनें

घड़ी के डायल पर दो या तीन तरह की सुइयाँ घूमती हैं।

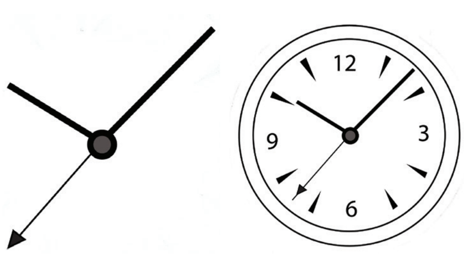

तीन सुइयों वाली घड़ी

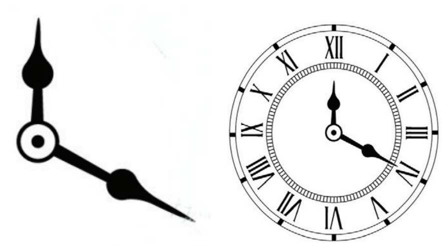

दो सुइयों वाली घड़ी

सबसे **मोटी** और **छोटी** सुई **घंटे** की सुई है। यह घंटे बताती है।

घंटे की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर एक घंटे में पहुँचती है। यह 12 घंटे में पूरे डायल का एक चक्कर लगाती है।

24 घंटे या एक दिन में यह पूरे डायल के कितने चक्कर लगाती है? ______________

उससे **पतली** और **लंबी** सुई **मिनट** की है। यह मिनट बताती है।

मिनट की सुई एक अंक से दूसरे अंक पर पाँच मिनट में पहुँचती है। यह 60 मिनट में पूरे डायल का एक चक्कर लगाती है।

सबसे **पतली** और **लंबी** सुई **सेकेंड** की है। यह सबसे तेज़ चलती है। यह सेकेंड बताती है।

Chap_9.indd 30 08-12-2020 12:31:41

जब मिनट की सुई 12 पर हो तो घंटे की सुई जिस भी अंक पर होगी, उतने ही बजे होंगे। जैसे अगर घड़ी की सुई 3 पर व मिनट की सुई 12 पर होगी तो तीन बजेंगे।

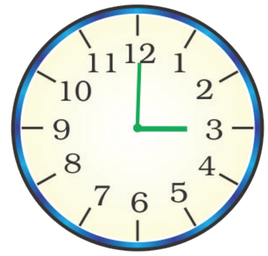

12 से आगे किसी भी अंक पर मिनट की सुई हो, उसे 5 से गुणा करके कुल मिनट निकाल सकते हैं।

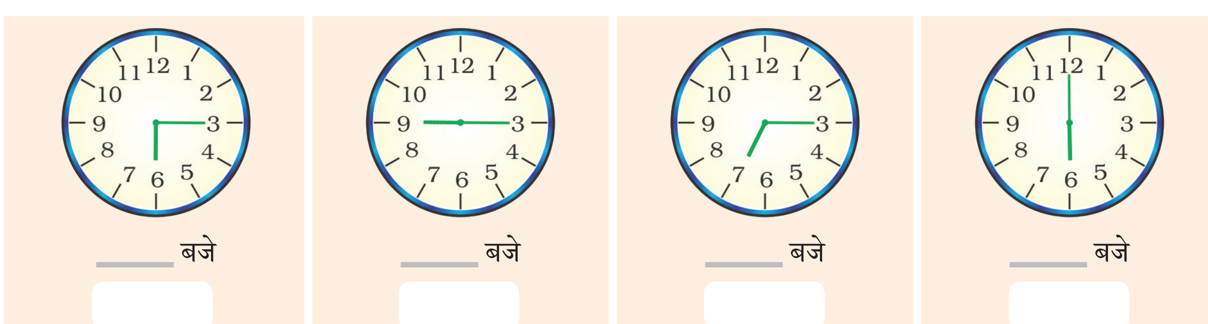

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रेरित करें कि वह घड़ी द्वारा समय देखकर बताना सीखें व समय के मापन की समझ व घंटे, मिनट, सेकेंड के आपसी संबंध विकसित करें।

For the Facilitator—Encourage the learners to read the time and establish the relation between hour, minutes and seconds.

Chap_9.indd 31 08-12-2020 12:31:41

_____ बजे

_____ बजे

_____ बजे

_____ बजे

डिजिटल घड़ियाँ

- डिजिटल घड़ियों में समय सीधा ही लिखा होता है। रेलवे स्टेशन, मोबाइल फ़ोन आदि में डिजिटल घड़ियाँ होती हैं।
- बताइए, इन घड़ियों में कितना समय हुआ है?

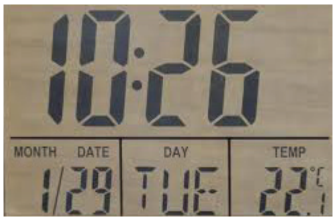

आइए, अब करके देखते है (पहले अनुमान लगाए और फिर घड़ी के प्रयोग से पता लगाएँ।

- खाना खाने में आपको कितना समय लगता है? _____ मिनट
- नहाने में आपको कितना समय लगता है? _____ मिनट
- रात में, मैं _____ मिनट बजे सोती/सोता हूँ और सुबह _____ मिनट बजे जाग जाती/जाता हूँ। मैं _____ मिनट घंटे सोती/सोता हूँ।
- गाँव का स्कूल _____ मिनट बजे लगता है एवं _____ मिनट बजे बंद होता है। स्कूल _____ मिनट घंटे लगता है।

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को सुइयों वाली व डिजिटल घड़ी में समय देखने व बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

For the Facilitator— Encourage the learners to read the time in analog and digital clocks.

मिलकर पढ़िए

वक्त के पाँव देखता हूँ
रोज़ ये छाँव देखता हूँ

कलाई पर इसे बाँधा
मगर फिर भी ये उड़ता है
बदल जाता है ये लेकिन
न रुकता है न मुड़ता है

वक्त वक्त की बात है!
एक दिन तो घूरे का भी वक्त फिरता है!
वक्त बरबाद मत करो!
वक्त कीमती है!
वक्त बलवान होता है!

उस वक्त दो बजे थे। इस वाक्य में दो बजे वक्त से अलग हो जाता है।

वक्त इंसान पर ऐसा भी कभी आता है
राह में छोड़ के साया भी चला जाता है।
(साया और परछाई ऊपर की दोनों कविताओं में है। इन दो अर्थों को जोड़कर देखो तो कविता कितनी बदल जाती है।)

आधे पौने पूरे चाँद
जितना था सब माल गया
बारह महीने जमा किए थे
जेब काट कर साल गया

या तो वक्त की रफ्तार बदल कर रख दो
या वक्त की रफ्तार से चलना सीखो...

— *गुलज़ार*

बातचीत के लिए

1. यह चित्र किस स्टेशन का है? 2. प्लेटफ़ार्म पर कौन-सी ट्रेन खड़ी है? 3. आपके घर से सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन कौन-सा है? 4. आपके गाँव/कस्बे/शहर से ग्वालियर तक कैसे पहुँचा जा सकता है?

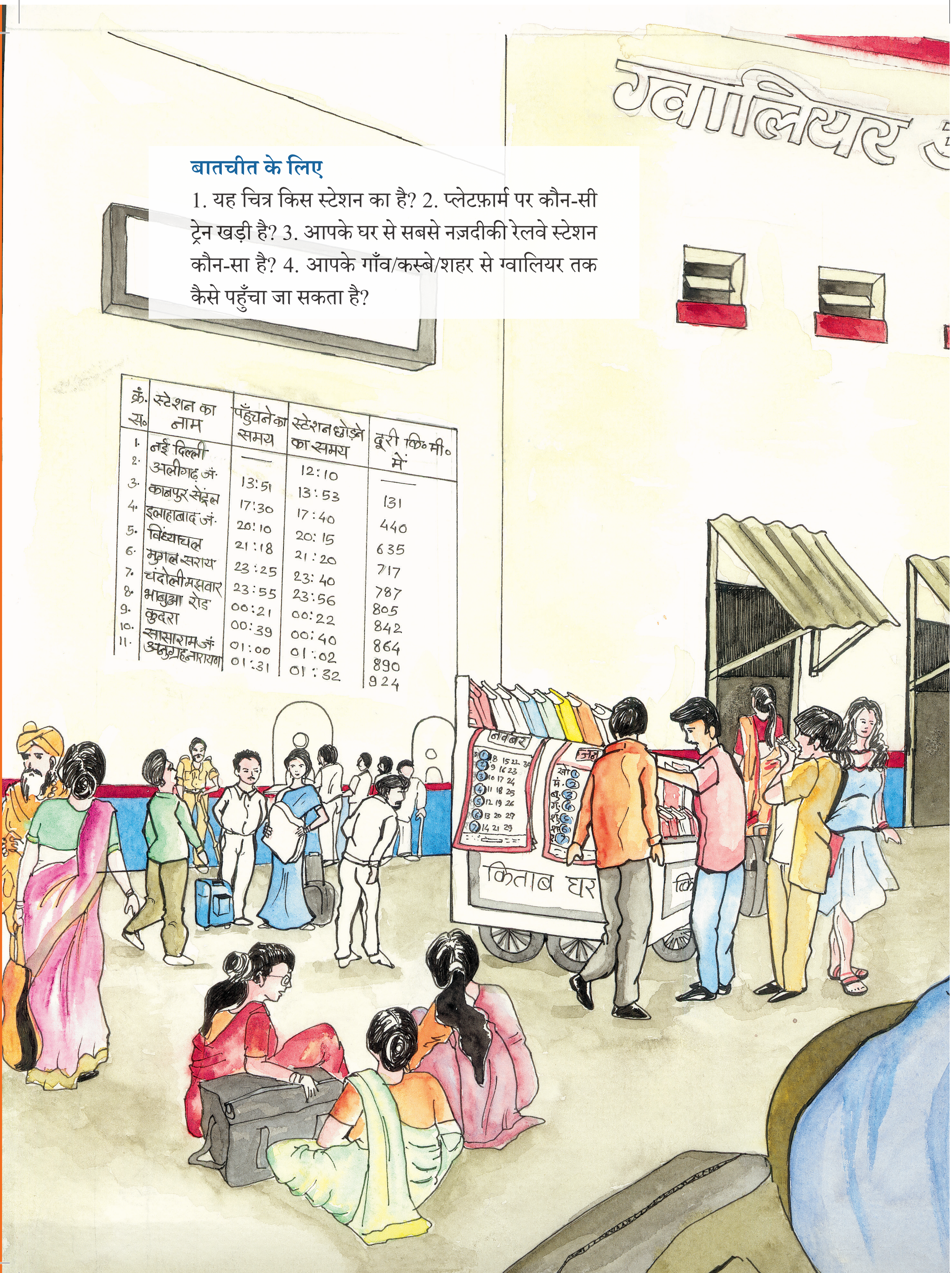

Chap_10.indd 34 08-12-2020 10:19:27

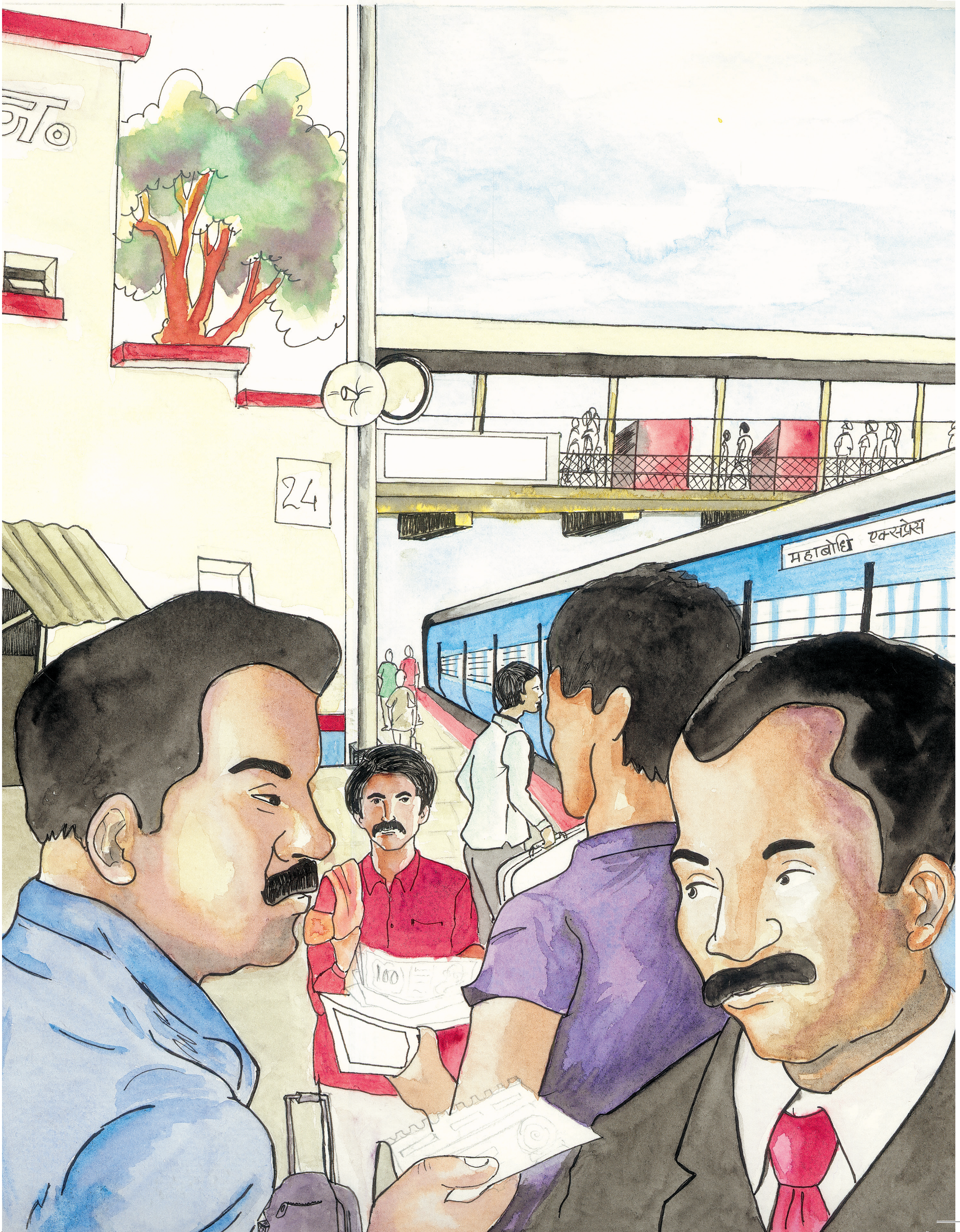

Chap 10.indd 35 08-12-2020 10:19:28

10 यात्रा

आप सीखेंगे

- समय की माप का उपयोग करना (12 और 24 घंटे वाली घड़ी)
- कैलेंडर, समय-सारणी और रेल टिकट पर दी गई सूचनाओं की समझ बनाना

नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए

सीट	हॉर्न	स्थान	सीटी	पगडंडी	नज़ारे
सफ़र	रेल	रास्ता	समाना	यात्रा	लौटना
सड़क	मिचली/ उबकाई	किराया	सामान	साइकिल	यात्री
टिकट	राहगीर	मुसाफ़िर	अड्डा	रेलवे स्टेशन	बुकिंग
विश्राम	बस	स्लीपर	ज़ंजीर	इंजन	कक्ष
राह	प्लेटफ़ार्म	धक्का-मुक्की	आरक्षण	तत्काल	रास्ता

शिक्षक-निर्देश— 1. इन शब्दों में से रेल यात्रा से जुड़े शब्दों को अलग करके लिखिए।
2. इनसे जुड़े कुछ मज़ेदार अनुभव पर मिलकर छोटा नाटक बनाइए और अन्य साथियों को दिखाइए।

For the Facilitator — 1. Locate and write down all the words related to rail travel.
2. Prepare a shot play on some interesting experiences connected to rail travel. Present it to the rest of the group.

■ पढ़िए और बातचीत कीजिए

10 नवंबर को पीयूष के मित्र तुषार की शादी है। पीयूष कई वर्षों से अपने गाँव नहीं गया था। अब मित्र की शादी में जाने का उसने मन बना लिया। पीयूष बहुत खुश है। सबसे पहले उसने रेलगाड़ी की टिकट बुक करवाई। 8 नवंबर जाने की टिकट और 14 नवंबर वापिस आने की। फिर उसने अपने लिए नए कपड़े खरीदे। मित्र के लिए उपहार खरीदा। अब तो सात दिनों की छुट्टी और मज़े ही मज़े।

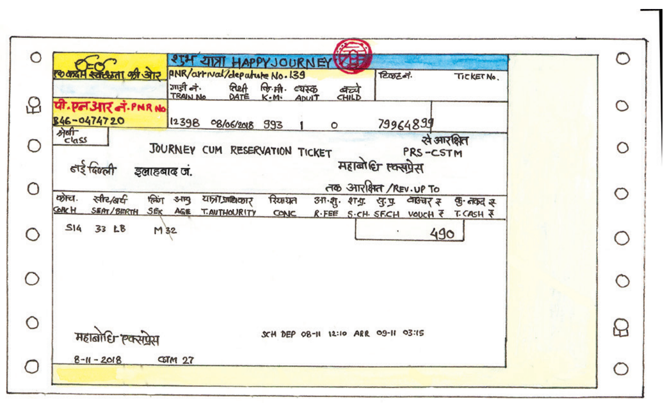

सही शब्द से खाली स्थान भरिए—

पुत्र	पुत्री	मित्र	चित्र	शत्रु	नेत्र	रात्रि	वर्ष	वर्षा

मेरा पुत्र दो ________________ का हो गया है।

उसका ________________ भी दो वर्ष का है।

यह ________________ मेरे पुत्र ने बनाया है।

इसमें उसने ________________ का मौसम दिखाया है।

शिक्षक-निर्देश— 1. शिक्षार्थियों के साथ मिलकर तुषार की शादी के लिए निमंत्रण पत्र बनाइए।
2. यात्रा से पहले पीयूष ने ले जाने वाले सामानों की सूची बनाई ताकि वह कुछ भूल न जाए। यदि आप यात्रा पर जा रहे होते तो क्या ले जाते? सूची बनाइए।

For the Facilitator— 1. Prepare an invitation card for Tushar's wedding.
2. Before travelling, Piyush prepared a list of things to pack so that he wouldn't forget anything. Prepare a list of things you would pack and take along, if you were travelling.

Chap_10.indd 37 08-12-2020 10:19:30

बताइए और निशान लगाइए

1. पीयूष शादी में कब जाएगा? कैलेंडर में देखकर उन 7 दिनों पर गोले लगाइए जब वह गाँव में होगा।
2. पीयूष के मित्र की शादी सप्ताह के किस दिन है?
3. पीयूष किस दिन रेलगाड़ी में बैठेगा? वह किस दिन वापस आएगा?

नवंबर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— 'यात्रा' विषय को समेटते हुए बातचीत कीजिए। शिक्षार्थियों से पूछकर इस विषय से जुड़े 3–4 शब्द लिखिए। ये शब्द उनकी अपनी भाषा के भी हो सकते हैं, जैसे— यात्रा के लिए जात्रा आदि।

For the Facilitator— Conclude the theme Yatra with a discussion. Write 3-4 words related to this theme by asking the learners. These words can be from their own language also. For example— Jatra for Yatra etc.

Chap_10.indd 38 08-12-2020 10:19:30

यात्रा

मैं अपनी बहन के घर आया था, अपने घर से। बहन भी उसी घर से कभी आई थी। दो-तीन दिन यहाँ रहूँगा, फिर मैं अपने घर लौट जाऊँगा। बहन भी कभी-कभी आती है। मगर उसका आना घर लौटना नहीं होता। हम दोनों ने एक ही घर से यात्रा शुरू की थी। बहन मुझसे तीन साल बड़ी थी। वह मुझे बहुत लाड़ करती थी। वह कुछ भी खाती तो मेरा हिस्सा उसमें रहता था, जैसे सिर्फ़ उसके लिए कोई चीज़ नहीं बनी थी। मैं भी कभी-कभी उससे अपनी चीज़ें साझा करता था। उसे मेरे कपड़े छोटे होते थे। मगर मुझे उसके कपड़े बन जाते थे। बल्कि थोड़े ढीले होते थे। एक बार मैंने उसकी फ्रॉक पहन ली थी। वह इतनी हँसी इतनी हँसी... अपना पेट पकड़े हँसती ही रही। मैं नहीं समझा मगर वह हँस रही थी तो मैं भी हँस रहा था। मैंने उस दिन देखा कि वह कितनी खूबसूरत है।

उस दिन मन में यह बात आती रही कि मैं लड़की क्यों न हुआ। होता तो हमेशा उसकी फ्रॉक पहन लिया करता। उस साल चौथी में मेरी सारी किताबें उसने पढ़ीं। वह पढ़ती और मैं सुनता। आज सुबह से उसके घर आया हूँ। सुबह से बात-बात पर वह हँस रही है। उसके बच्चे, उसका पति सबका काम उसके बिना नहीं चल पा रहा है। मैं उससे अकेले में मिलना चाहता हूँ। मगर बच्चे हमेशा उसे घेरे रहते हैं। उसने आँगन में एक अमरूद लगाया था। इस बार वह पहली बार फला है। यह पहला फल मैंने उसके लिए तोड़ा था। वही उसे देना चाहता हूँ। बच्चों के सामने दूँगा तो पता नहीं... वे शायद हँस देंगे। या क्या पता वह खुद न खाए और बच्चों को दे दे। या क्या पता बच्चे ही उससे झपट लें।

Chap_10.indd 39 08-12-2020 10:19:32

आज लौट रहा हूँ। रात की बस है। बस में सब सो रहे हैं। ड्राइवर जाग रहा है। पर वह तो ड्राइवर है। और मैं जाग रहा हूँ। रास्ते में दूकानें हैं। ठंड की रात है। एक दूकान पर आग जलती दिख रही है। और कोई तो नज़र नहीं आया बस दो कुत्ते सो रहे हैं। केतली औंधी रखी है। कभी कभी थोड़ी बहुत रोशनी दिख जाती है। कहीं दूर खेत में एक बल्ब लटका दिख जाता है। बाकी हर तरफ अँधेरा है। बस की हैडलाइट की रोशनी में थोड़ी सी सड़क दिखती जा रही है। थोड़ी देर देखता हूँ तो लगता है कि रोशनी से उतनी ही सड़क बनती जा रही है जितनी बस चलने के लिए चाहिए।

यह कैसी यात्रा है। सब सो रहे हैं। किसी को कुछ नहीं मालूम कि कहाँ जा रहे हैं। ड्राइवर पर बहुत भरोसा है। बस से बाहर भी सब सो रहे हैं। सुबह मैं घर पहुँच जाऊँगा। यह बस कल शाम को मेरे गाँव से होते हुए इसी रास्ते लौटेगी।

मेरी बहन भी इसी बस से पहली बार राम नगर गई थी। मैं सोचता हूँ कि रात में वह सोते-सोते गई होगी कि जागते-जागते।

अम्मा आँगन में बैठी हैं। मेरा रास्ते देखते। बहन ने अम्मा को सरौती भेजी है। वह मैंने बैग की सबसे ऊपर की जेब में ही रख ली थी। तुरंत अम्मा को थमा दी। अम्मा बहुत खुश है। बहुत खुश। मैंने बैग से वह अमरूद निकाला और डाली में वह जगह ढूँढने लगा जहाँ से उसे तोड़ा था।

— सुशील शुक्ल

■ बताइए

प्रश्न 1. डाली से टूटा अमरूद पेड़ पर वापस नहीं लग सकता। फिर भी लेखक पेड़ पर वह जगह क्यों ढूँढने लगे, जहाँ से उन्होंने अमरूद तोड़ा था?

प्रश्न 2. लेखक अपनी बहन को अमरूद क्यों नहीं दे पाए होंगे?

प्रश्न 3. आपने किन वजहों से यात्रा की है?

प्रश्न 4. 'यात्रा' पढ़ते समय आपको कैसा महसूस हुआ? क्या उसका कोई हिस्सा पढ़ते समय आपको लगा कि आप ने भी वैसा कुछ महसूस किया है?

पढ़िए और लिखिए

प्रश्न 1. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़कर आपके मन में क्या भाव आते हैं?

(क) बहन भी उसी घर से कभी आई थी।

____

(ख) मगर उसका आना घर लौटना नहीं होता।

____

(ग) पर वह तो ड्राइवर है।

____

प्रश्न 2. सही मुहावरे से वाक्य पूरे कीजिए—

घोड़े बेचकर सोना, हँसते-हँसते लोट-पोट होना, कलेजा धड़कना,
ईद का चाँद होना, आँख लगना

(क) मुझे फ्रॉक पहना देख वह ______________________________

(ख) बहुत दिन बाद दिखे हो, तुम तो ______________________________

(ग) अँधेरे में तो मेरा ______________________________

(घ) मेरा इंतज़ार करते-करते अम्मा की ______________________________

(ङ) रात को तो सब ______________________________

प्रश्न 3. सही शब्द से अनुच्छेद पूरा कीजिए—

हम भी जैसे-जैसे ______________ ही गए और अपनी ______________ ढूँढकर अपना सामान सीट ______________ चलने से पहले सभी ______________ अपनी सीटों पर बैठ ______________ थे। कुछ देर बाद चेकर आए और उन्होंने टिकटें देखीं। वे यह देख रहे थे कि सभी ______________ सीटों पर बैठे हैं ______________ नहीं। अम्मा और अप्पा ______________ नीचे वाली बर्थ मिली।

Chap_10.indd 41 08-12-2020 10:19:32

प्रश्न 4. यात्रा से जुड़े शब्द छाँटकर लिखिए—

आँगन	टिकट	पेड़	ट्रेन	बस
डाली	सरौती	खाना	किराया	पटरी

यात्रा से जुड़े शब्द

प्रश्न 5. सही शब्द लिखिए—

1. आपको ______________ जाना है? (कहा / कहाँ)
2. बहन की ______________ आई हैं। (सास / साँस)
3. कल बहुत तेज़ ______________ आई। (आधी / आँधी)
4. बहन ने ______________ कि बारिश आएगी। (कहा / कहाँ)
5. सामने कुत्ते को देख मेरी ______________ अटक गई। (सास / साँस)
6. बच्चों की तो ______________ टिकट लगती है। (आधी / आँधी)

प्रश्न 6. 'यात्रा' पाठ को पढ़कर कोई तीन प्रश्न बनाकर लिखिए—

1. ______________________________
2. ______________________________
3. ______________________________

प्रश्न 7. आपके गाँव/शहर में यात्रा के कौन-कौन से साधन हैं? आप यात्रा के लिए किन चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं? (✓) का निशान लगाइए।

1. बस
2. रेलगाड़ी
3. ताँगा
4. जीप
5. मैट्रो
6. कार
7. स्कूटर
8. रिक्शा
9. टैक्सी
10. ट्रक

Chap_10.indd 42 08-12-2020 10:19:33

मिलकर पढ़िए और बातचीत कीजिए

ओमना की डायरी

16 मई दोपहर का समय था। स्टेशन पहुँचते ही हमने सबसे पहले अपने नाम 'रिज़र्वेशन चार्ट' में देखे। जल्दी ही ट्रेन प्लेटफ़ार्म पर आ पहुँची। हमने देखा कि ट्रेन तो पहले से ही भरी हुई थी। आज सुबह-सुबह ही यह ट्रेन गाँधीधाम, कच्छ से चली थी। ट्रेन के पहुँचते ही हलचल-सी मच गई। एक ही दरवाज़े से कुछ लोग उतर रहे थे, तो कुछ चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे।

हम भी जैसे-तैसे चढ़ ही गए और अपनी सीट ढूँढकर अपना सामान सीट के नीचे रख दिया। ट्रेन के चलने से पहले सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठ चुके थे। कुछ देर बाद टिकट-चेकर आए और उन्होंने सभी टिकटें देखीं। वे यह देख रहे थे कि सभी ठीक सीटों पर बैठे हैं या नहीं। अम्मा और अप्पा को नीचे वाली बर्थ मिली, उन्नी और मुझे बीच वाली। सबसे ऊपर वाली बर्थ पर कॉलेज के दो लड़के हैं। पास ही बैठे परिवार के दोनों बच्चे हमारे जितने ही लग रहे हैं। मैं उनसे बात ज़रूर करूँगी, पर थोड़ी देर बाद।

मैं अब खिड़की के पास बैठी यह सब लिख रही हूँ। अम्मा ने खाने का डिब्बा खोल लिया है। ढोकला, चटनी, नींबू वाले चावल और मिठाई— कितनी सारी चीज़ें लाई हैं।

Chap_10.indd 43 08-12-2020 10:19:34

अम्मा! मेरे मुँह में तो पानी आ रहा है। बाकी बातें अब बाद में ही लिखूँगी।

प्रश्न 1. किसी भी सफ़र के लिए किस तरह की तैयारी की ज़रूरत होती है?

प्रश्न 2. एक यात्री के लिए बस और ट्रेन के सफ़र में क्या फ़र्क है?

प्रश्न 3. रिज़र्वेशन चार्ट क्या है? सबसे ठीक लगने वाले वाक्य को चुनिए।

1. रिज़र्वेशन चार्ट में सब यात्रियों के नाम होते हैं।
2. चार्ट पर सब ट्रेनों के नाम होते हैं।
3. चार्ट पर हर यात्री की सीट कौन-सी है, वह जानकारी होती है।

■ 24 घंटे वाली घड़ी

एक दिन में 24 घंटे होते हैं। आमतौर पर हम 12 घंटे वाली घड़ी से समय देखते हैं। इसकी घंटे की सुई पूरे दिन में पूरी घड़ी के दो चक्कर लगाती है। एक चक्कर में 12 घंटे लगते हैं फिर दूसरा चक्कर शुरू हो जाता है। इस घड़ी में दोपहर से पहले (सुबह AM) व दोपहर के बाद समय के साथ (सायं PM) लिखना है जबकि 24 घंटे वाली घड़ी आधी रात के 12 बजे से पूरे 24 घंटे का समय बताती है। जैसे सायं 5 बजे को 24 घंटे वाली घड़ी में दिखाया जाएगा 17:00। इसका उपयोग रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, इत्यादि जगहों में किया जाता है।

■ समय सारणी

पीयूष महाबोधी एक्सप्रेस में बैठकर नई दिल्ली से इलाहबाद जंक्शन तक यात्रा करेगा। इस रेलगाड़ी की समय-सारणी में समय को 24 घंटे वाली घड़ी के हिसाब से दिया गया है।

12398 महाबोधि एक्सप्रेस समय सारणी

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	पहुँचने का समय	स्टेशन छोड़ने का समय	दूरी (किलोमीटर में)
1.	नई दिल्ली	———	12:10	———
2.	अलीगढ़ जंक्शन	13:51	13:53	131
3.	कानपुर सेंट्रल	17:30	17:40	440
4.	इलाहबाद जंक्शन	20:10	20:15	635

■ ऊपर दी गई समय-सारिणी देखकर बताइए

1. पीयूष इलाहाबाद जंक्शन कब पहुँचेगा? 12 घंटे वाली घड़ी में तब क्या समय होगा?
2. नई दिल्ली से इलाहाबाद जंक्शन पहुँचने में उसे कितना समय लगेगा?
3. नई दिल्ली से इलाहाबाद जंक्शन की दूरी कितने किलोमीटर है?
4. अलीगढ़ जंक्शन से इलाहाबाद जंक्शन कितना दूर है?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रेरित करें कि वे 24 घंटे वाली घड़ी और 12 घंटे वाली घड़ी में समय बता सकें तथा 24 घंटे वाली घड़ी में दिए गए समय का 12 घंटे वाली घड़ी के समय में बदल सकें। रेलवे टाइम टेबल के उपयोग से अभ्यास करने के अवसर दें।

For the Facilitator— Encourage the learners to read the time in 24 hrs. clock and 12 hrs. clock and convert the time from 24 hrs. system into 12 hrs. system. Provide the opportunities to practice with the help of railway time table.

■ रेल टिकट

आइए, पीयूष की रेलगाड़ी की टिकट का नमूना देखें—

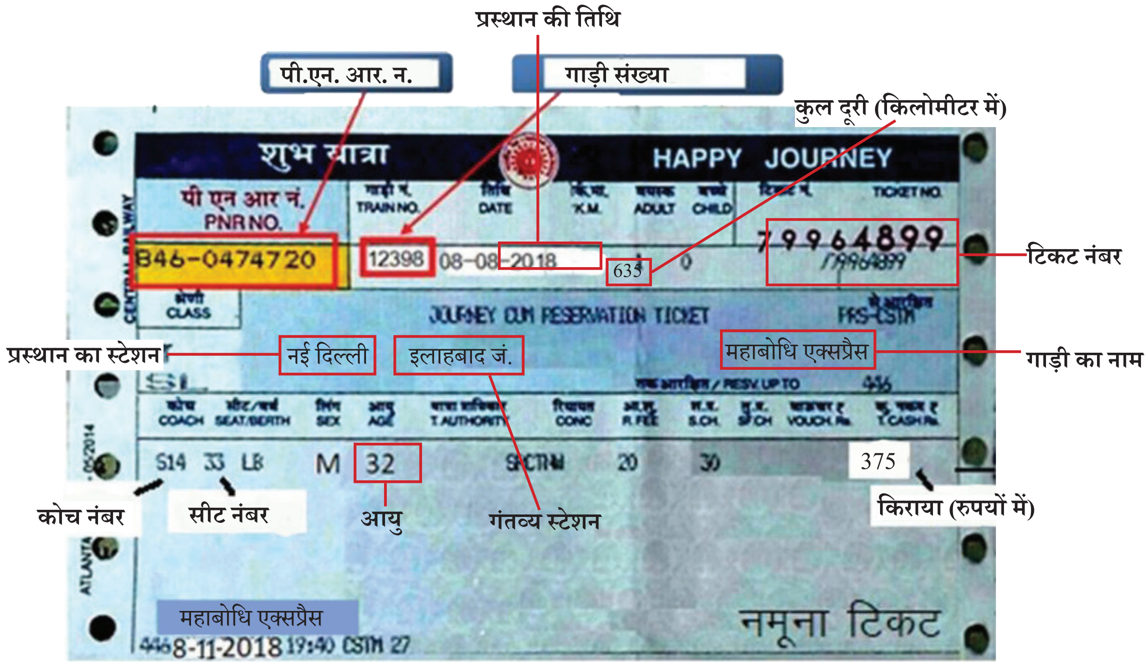

1. पीयूष की गाड़ी का नाम क्या है? ________
2. गाड़ी संख्या क्या है? ________
3. कोच नंबर क्या है? ________
4. सीट नंबर क्या है? ________
5. पीयूष की आयु कितनी है? ________
6. नई दिल्ली से इलाहबाद जंक्शन की टिकट कितने रुपए की है? ________
7. कितने रुपए वापस मिलेंगे—

देकर टिकट खरीदने पर ________

देकर टिकट खरीदने पर ________

Chap_10.indd 46 08-12-2020 10:19:35

8. यदि आपके पास सभी नोट 500 रुपये से छोटे हों, तो आप 375 रुपए का रेल किराया कैसे दोगे? दो-तीन तरीके बताइए—

एक तरीका	दूसरा तरीका	तीसरा तरीका

■ **रेलगाड़ी की टिकट में दी गई सूचनाओं को पढ़कर बताइए और लिखिए।**

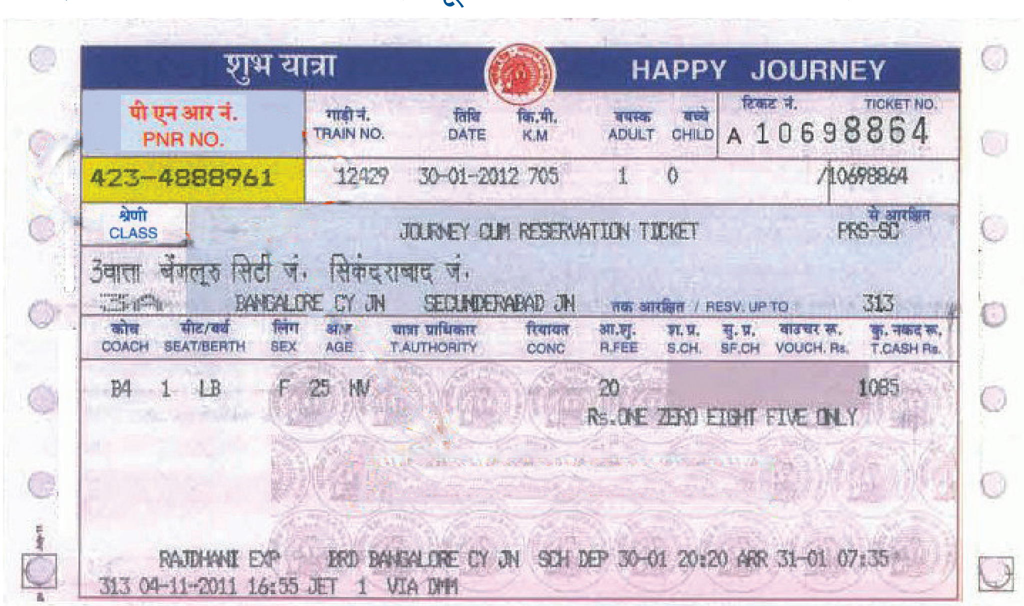

- यात्रा की दूरी कितनी है? ____________
- यात्रा की तिथि क्या है? ____________
- टिकट द्वारा कहाँ से कहाँ तक की यात्रा की जा सकती है? ____________
- सीट नंबर क्या है? ____________
- कोच संख्या क्या है? ____________
- यात्रा का किराया कितना है? ____________
- टिकट का पी.एन.आर. नंबर क्या है? ____________

■ नीचे किसी माह का कैलेंडर दिया गया है। इसे पूरा कीजिए।

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	बृहस्पतिवार	शुक्रवार	शनिवार
			1			4
	6			9		
		14				18
			22			
		28				

■ कैलेंडर को देखकर बताइए

- इस महीने में कितने रविवार होंगे?
- 17 अगस्त को कौन-सा दिन होगा?
- महीने के चौथे शनिवार को कौन-सी तारीख होगी?
- क्या 19 तारीख को सोमवार होगा?
- यदि पीयूष 6 तारीख को यात्रा शुरू करे तथा 15 तारीख को यात्रा समाप्त करे तो उसने कितने दिन यात्रा की? आपने कैसे पता किया?

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों को प्रेरित करें कि वे कैलेंडर की मदद से दी गई दो तारीखों के बीच के दिनों का हिसाब लगाा सकें।

For the Facilitator— Discuss the information printed on a Railway ticket with the learners.

- यह महीना किस दिन समाप्त होगा?
- रानी को मंगलवार की छुट्टी मिलती है। क्या रानी को इस महीने में 5 छुट्टी मिलेगी?

मेरे शब्द

शिक्षक-निर्देश— शिक्षार्थियों से अभी चल रहे महीने या किसी अन्य महीने के लिए ऐसी ही प्रश्न पूछें।

For the Facilitator— Encourage the learners to calculate the numbers of days between any two dates with the help of calendar.

Chap_10.indd 49 08-12-2020 10:19:36

टिप्पणी

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Cover 1 and 4.indd 1 08-12-2020 12:23:08